नई दिल्ली
13 अगस्त, 2026 गुरूवार
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 133
RNI No. DELMUL/2012/47011
अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर
टाइम्स ऑफ़ पीडिया
www.timesofpedia.com
Email : timesofpedia@gmail.com

दिल्ली कैपिटल्स का स्टार ओपनर अभिषेक पोरेल गिरफ्तार 07

संक्षिप्त वार्ता

देश में मानसून फिर सक्रिय, 48 घंटे भारी, 19 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देश में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है, जिससे अगले 48 घंटों में 19 राज्यों में भारी बारिश और तेज आंधी का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग ने बुधवार को देश के कई हिस्सों में बहुत भारी का अलर्ट जारी किया है। दिल्ली-एनसीआर से लेकर यूपी, बिहार, झारखंड और पहाड़ी राज्यों तक मौसम का मिजाज बदल सकता है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो सकता है। आईएमडी के मुताबिक उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश और आसपास के इलाकों में बना कम दबाव का क्षेत्र इस बारिश को ताकत दे रहा है। इसके साथ ही मानसून टर्फ राजस्थान, मध्य प्रदेश, यूपी, झारखंड और पश्चिम बंगाल से होते हुए बंगाल की खाड़ी तक फैली हुई है।

मौसम का बड़ा फैक्टर बंगाल की खाड़ी में बनने वाला नया सिस्टम है। आईएमडी के मुताबिक उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में एक और कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। अगर यह सिस्टम मजबूत रहता है, तो पूर्वी और मध्य भारत में बारिश का दौर आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा। सबसे ज्यादा चिंता पूर्वी राजस्थान को लेकर है, जहां कुछ इलाकों में बेहद भारी बारिश की आशंका जताई गई है।

होर्मुज में फंसे 1500 से ज्यादा जहाजों पर मंडरा रहा वैश्विक खतरा

वैज्ञानिकों की चेतावनी- समुद्री जीवों का फैलाव पर्यावरण के लिए बन सकता है चुनौती

वेब वार्ता, न्यूयार्क

होर्मुज जलडमरूमध्य में लंबे समय से फंसे 1500 से ज्यादा वाणिज्यिक जहाज अब तेल, गैस और एलपीजी आपूर्ति में बाधा का कारण नहीं माने जा रहे हैं, बल्कि वैज्ञानिकों ने इससे जुड़े एक नए पर्यावरणीय खतरे को चेतावनी दी है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि लंबे समय से रुके ये जहाज दोबारा दुनिया के विभिन्न बंदरगाहों की ओर रवाना होते हैं, तो इनके साथ समुद्री जीव, शैवाल, परजीवी और अन्य सूक्ष्मजीव भी हजारों किलोमीटर दूर तक पहुंच सकते हैं, जिससे कई देशों के समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर असर पड़ सकता है।

मीडिया रिपोर्ट में वैज्ञानिकों के मुताबिक जब कोई जहाज लंबे समय तक समुद्र में एक ही स्थान पर खड़ा रहता है, तो उसकी बाहरी सतह और निचले हिस्से पर समुद्री जीवों और वनस्पतियों की परत जमने लगती है। इस प्रक्रिया को बायोफाउलिंग कहा जाता है। फारस की खाड़ी का गर्म समुद्री वातावरण इस प्रक्रिया के लिए अनुकूल माना जाता है, इसलिए जितना ज्यादा समय जहाज यहां रुके रहेंगे, उतनी ही तेजी से उनकी सतह पर जैविक सामग्री जमा होती जाएगी।

प्रभावित हो सकती है

विशेषज्ञों का मानना है कि सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होगा, जब ये जहाज अलग-अलग देशों के बंदरगाहों तक पहुंचेंगे। यदि कोई बाहरी समुद्री प्रजाति नए समुद्री क्षेत्र में प्रवेश कर जाती है, तो वहां उसका प्राकृतिक शिकारी नहीं होने से वह तेजी से फैल सकती है। इससे स्थानीय मछलियों, समुद्री पौधों और अन्य जीवों के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो सकता है। इसका असर केवल समुद्री जैव विविधता तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि मत्स्य पालन, जलीय कृषि, तटीय उद्योग और उनसे जुड़ी अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है।

बता दें होर्मुज दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में गिना जाता है। इसकी नाकेबंदी पहले ही वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। अब समुद्री जैव-सुरक्षा का खतरा मंडरा रहा है। शोधकताओं का कहना है कि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों तक भी समय के साथ यह जोखिम पहुंच सकता है, हालांकि वहां समुद्री जैव-सुरक्षा के कड़े नियम लागू हैं और संदिग्ध जहाजों की विस्तृत जांच की जाती है।

...लंबे समय तक चुनौती बन सकता है

विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि होर्मुज से निकलने वाले जहाजों की यात्रा शुरू होने से पहले उनकी विस्तृत जांच की जाए। जरुरत पड़ने पर जहाजों की अंडरवॉटर सफाई कराई जाए और पर्यावरणीय डीएनए जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर समुद्री पानी में मौजूद बाहरी प्रजातियों की पहचान की जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी निगरानी और रोकथाम के उपाय नहीं किए गए, तो यह संकट केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक समुद्री व्यापार, मत्स्य उद्योग और तटीय अर्थव्यवस्थाओं के लिए भी लंबे समय तक चुनौती बन सकता है।

संसद परिसर में सत्ता पक्ष-विपक्ष का प्रदर्शन

वेब वार्ता, नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के 18वें दिन बुधवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों का संसद परिसर में

विरोध-प्रदर्शन जारी रहा। दोनों पक्षों ने अलग-अलग मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया, जहां विपक्ष ने सरकार को निशाने पर लिया तो वहीं सत्ता पक्ष ने विपक्ष पर निशाना साधा। भाजपा सांसदों ने प्रदर्शन करते हुए झारखंड के रांची में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के मुद्दे को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी से जवाब मांगा है। भाजपा सांसदों का आरोप है कि इस मामले में राहुल गांधी और विपक्ष को अपनी भूमिका तथा रुख स्पष्ट करना चाहिए। वहीं, विपक्षी सांसदों ने राम मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी और जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के विरोध में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री स्वतंत्रता दिवस पर भोपाल में करेंगे ध्वजारोहण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राजधानी भोपाल के लाल परेड ग्राउण्ड पर 15 अगस्त 2026 को होने वाले स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे और प्रदेश की जनता को संबोधित करेंगे। पुलिस, एस.ए.एफ., सी.आई.एस.एफ., जेल गार्ड, होम गार्ड, एन.सी.सी. एवं स्काउट गाइड्स की संयुक्त परेड आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को संयुक्त परेड द्वारा "गार्ड ऑफ ऑनर" दिया जाएगा। मुख्य समारोह के पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा शौर्य स्मारक में शहीदों को श्रद्धांजलि दी जायेगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य स्तर के साथ ही जिला, जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमामय रूप से आयोजित करने के लिए परिपत्र जारी किया है।

स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को राज्य स्तर, जिला, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर कार्यक्रम होंगे। जिला स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन प्रात: 9:00 बजे से किया जाएगा, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष/ मंत्रीगण और कलेक्टर द्वारा ध्वजारोहण पश्चात राष्ट्रगान का गायन किया जाएगा एवं परेड की सलामी ली जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव द्वारा स्वतंत्रता दिवस संदेश का वाचन प्रात: 9:25 से 9:55 बजे तक किया जाएगा, जिसका सीधा प्रसारण

राज्य स्तरीय मुख्य समारोह, भोपाल से जिला स्तर पर किया जाएगा। जिला स्तरीय समारोह में विधानसभा अध्यक्ष / मंत्रीगण और कलेक्टर द्वारा संक्षिप्त लिखित बधाई संदेश का वाचन किया जाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। जनपद पंचायत मुख्यालय में जनपद अध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा तथा समारोह में सामूहिक राष्ट्रगान गाया जाएगा। ऐसी नगर पालिका/नगर परिषद जिनका मुख्यालय ब्लाक मुख्यालय पर नहीं है, उनमें अध्यक्ष, नगर पालिका/नगर परिषद द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा और समारोह में राष्ट्रगान गाया जाएगा। साथ ही पंचायत मुख्यालय में सरपंच द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा और समारोह में राष्ट्रगान गाया जाएगा।

गणमान्य नागरिकों को किया जायेगा आमंत्रित

जिले से संबंधित सभी संसद सदस्य , विधायक गण, महापौर, पार्षद एवं अन्य गणमान्य नागरिकों को सम्मान पूर्वक स्वतंत्रता दिवस समारोह में आमंत्रित किया जाएगा। सभी शासकीय कार्यालयों/शिक्षण संस्थाओं में पूर्व वर्ष अनुसार प्रात: 8:00 बजे या उसके पूर्व ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बाद में सांस्कृतिक/साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी शिक्षण संस्थाओं में मौसम का ध्यान रखते हुए प्रभातफेरी का आयोजन किए जाने के लिए कहा गया है।

मुंबई के कुर्ला में भूस्खलन, दो की मौत

कई लोगों के दबे होने की आशंका

मुंबई के कुर्ला इलाके में बुधवार तड़के भारी बारिश के बीच हुए भूस्खलन में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। हादसा सुबह करीब 3:48 बजे चिराग नगर के अशोक नगर स्थित गौसिया चॉल में हुआ।

वेब वार्ता, मुंबई

सूचना मिलते ही बीएमसी, मुंबई फायर ब्रिगेड, पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव अभियान शुरू किया।

दो शव बरामद, कई लोगों के दबे होने की आशंका

बीएमसी के अनुसार, पहाड़ी से मिट्टी और मलबा खिसककर चॉल के दो से तीन कमरों पर जा गिरा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मलबे में छह से आठ लोगों के फंसे होने की आशंका है। अब तक दो शव बरामद किए जा चुके हैं। मृतकों की पहचान सोहेल अंसारी (18) और मोहम्मद अंसारी (14) के रूप में हुई है।

मेयर ने की मौके पर पहुंचकर समीक्षा

मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े ने घटनास्थल का निरीक्षण कर बचाव अभियान की जानकारी ली।

उन्होंने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये और प्रत्येक घायल को 50 हजार रुपये की सहायता देने की घोषणा की। मेयर ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और सभी एजेंसियों को बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए।

बेहद संकरा है घटनास्थल का रास्ता

मेयर ने बताया कि घटनास्थल और वहां पहुंचने वाला रास्ता बेहद संकरा है, जिससे बचाव कार्य में कठिनाई आ रही है। इसके बावजूद बीएमसी, फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ और मुंबई पुलिस की टीमें लगातार अभियान चला रही हैं।

पहले भी दी गई थी चेतावनी

बीएमसी ने बताया कि अशोक नगर के हिल नंबर-3 क्षेत्र में भूस्खलन और चट्टान गिरने के खतरे को लेकर स्थानीय निवासियों को पहले ही सावधान किया गया था। मानसून से पहले भी संवेदनशील इलाकों में नोटिस और जागरूकता अभियान चलाए गए थे।

ट्रक और ऑटो की टक्कर में 5 लोगों की मौत, कई घायल

संगारेड्डी। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में मंगलवार की शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे ने सबको झकझोर कर रख दिया। जहीराबाद मंडल के चिरागपल्ली इलाके में एक तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें चार महिलाओं समेत कुल पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस भीषण दुर्घटना में सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका नजदीकी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। हादसा उस समय हुआ जब खेत में मजदूरी करने वाली महिलाएं दिनभर की मेहनत के बाद ऑटो-रिक्शा में सवार होकर अपने घर लौट रही थीं। ऑटो में कुल 11 महिलाएं सवार थीं। अचानक सामने से आए एक अनियंत्रित ट्रक ने ऑटो को टक्कर मार दी।

भारत में दुनिया के 60 प्रतिशत से अधिक जंगली एशियाई हाथी: पीएम मोदी

वेब वार्ता, नई दिल्ली। विश्व हाथी दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में हाथियों के संरक्षण के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने गर्व व्यक्त कर कहा कि दुनिया के 60 प्रतिशत से अधिक जंगली एशियाई हाथी भारत में रहते हैं, जो देश की समृद्ध पारिस्थितिक और प्राकृतिक विरासत का अभिन्न अंग हैं।

पीएम मोदी ने बताया कि इन विशाल जीवों के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने के लिए देश में 33 हाथी रिजर्व स्थापित किए हैं। ये रिजर्व न केवल हाथियों को सुरक्षित ठिकाना प्रदान करते हैं, बल्कि उनके दीर्घकालिक संरक्षण प्रयासों को भी मजबूती देते हैं। उन्होंने हाथियों के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने

वाले वन कर्मियों, वैज्ञानिकों, पशु चिकित्सकों, महावतों और लोकल समुदायों के अथक प्रयासों की सराहना की। उनके अनुसार, इन सभी के सामूहिक प्रयास हाथियों के सुरक्षित भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

वहीं केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी इस मौके पर भारत के हाथियों और मनुष्यों के लिए एक साझा भविष्य सुरक्षित करने के संकल्प को दोहराया। उन्होंने जानकारी दी कि 14 राज्यों में फैले 33 हाथी रिजर्व, वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित 150 हाथी कॉरिडोर, बेहतर जनसंख्या निगरानी और मानव-हाथी टकराव को कम करने के मजबूत उपाय भारत के संरक्षण प्रयासों को लगातार मजबूत कर रहे हैं। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री यादव ने जोर दिया कि हाथियों का भविष्य सुरक्षित करने का अर्थ है हमारे जंगलों, जैव-विविधता और पारिस्थितिक विरासत को सुरक्षित करना।

चेन्नई एयरपोर्ट पर इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

कोलकाता से चेन्नई आ रही इंडिगो की एक उड़ान (6ई-723) के बाएं इंजन में अचानक आई तकनीकी खराबी के बाद मंगलवार देर रात चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई।

वेब वार्ता, चेन्नई

गनीमत यह रही कि पायलटों की

सूझबूझ से विमान को सुरक्षित लैंड करा लिया गया, जिससे उसमें सवार सभी 224 यात्री और क्रू मेंबर्स पूरी तरह सुरक्षित हैं।

रात करीब 11:30 बजे जब विमान चेन्नई एयरपोर्ट के नजदीक पहुंच रहा था, तभी पायलटों को बाएं इंजन में खराबी और तेल (ऑयल) रिसाव की जानकारी मिली। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए क्रू मेंबर्स ने

सभी 224 यात्री और क्रू मेंबर्स सुरक्षित

तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सतर्क किया, जिसके बाद हवाई अड्डे पर आपातकालीन स्थिति लागू कर दी गई।

घोषित की गई इमरजेंसी...यात्रियों ने ली अंतिम सांस

सूचना मिलते ही एयरपोर्ट प्रशासन

हवा में इंजन से रिसाव के बाद मची अफरा-तफरी

ने तत्काल एक्शन लेते हुए रनवे 25 के पास फायर टेंडर, एंबुलेंस और रेस्क्यू टीमों को तैनात कर दिया। रात 11:29 बजे आधिकारिक तौर पर फुल इमरजेंसी घोषित की गई। हालांकि, इंजन में गड़बड़ी के बावजूद पायलट ने रात 11:37 बजे विमान की सुरक्षित लैंडिंग करा ली, जिसके बाद सभी यात्रियों ने राहत की सांस ली।

लाल किले पर 80 साल बाद सुनाई देगा वंदे मातरम

वेब वार्ता, नई दिल्ली

इस बार 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से नया इतिहास रचा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन से ठीक पहले, पूरे लाल किले में राष्ट्रगीत वंदे मातरम की गूंज सुनाई देगी। आजादी के बाद पहला मौका है जब स्वतंत्रता दिवस के आधिकारिक और मुख्य प्रोटोकॉल में वंदे मातरम को इतना विशिष्ट स्थान मिला है। अब तक, कड़े सैन्य और राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत ध्वजारोहण समारोह में केवल राष्ट्रगान जन गण मन को प्राथमिकता मिलती थी। लेकिन रक्षा मंत्रालय के नए और ऐतिहासिक प्रोटोकॉल बदलावों के तहत, इस बार पूरे वंदे मातरम के ओजस्वी स्वरों से देश के स्वाभिमान का एक नया अध्याय शुरू होगा।

इस बदलाव की जड़ें लंबे समय से चली आ रही बहस में निहित हैं। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की इस कविता के शुरूआती दो पद मातृभूमि की सामान्य स्तुति करते हैं, लेकिन बाद के पदों में हिंदू देवियों, विशेषकर दुर्गा, का स्पष्ट उल्लेख और उनसे जुड़ी कल्पनाएं हैं। इन्हीं धार्मिक संदर्भों पर मुस्लिम लीग और अन्य समूहों की आपत्तियां थीं, इसकारण 1937 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने महात्मा गांधी और रवींद्रनाथ टैगोर जैसी हस्तियों की सलाह पर बाद के

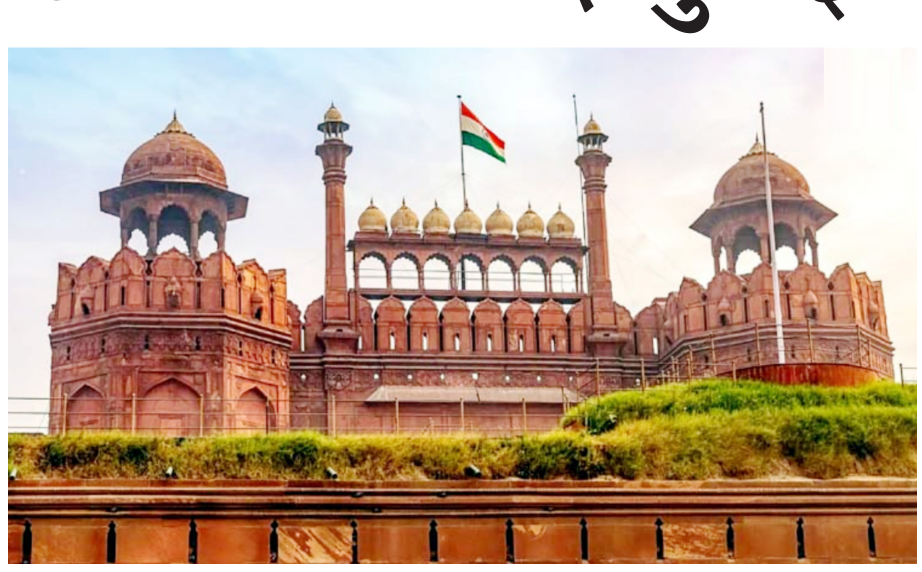

पदों को हटाने और सार्वजनिक राजनीतिक मंचों के लिए केवल शुरूआती दो पदों का इस्तेमाल करने का फैसला किया था। भारत के गणतंत्र बनने पर, 1950 में संविधान सभा ने जन गण मन को आधिकारिक राष्ट्रगान और वंदे मातरम के शुरूआती दो पदों को राष्ट्रगीत का दर्जा दिया। इस प्रकार उन्हें समान सम्मान दिया गया, लेकिन सरकारी प्रोटोकॉल के लिए धर्मनिरपेक्ष संतुलन भी बनाए रखा गया।

आयोजन की भव्यता को और बढ़ाएगा

अब संसद ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) अधिनियम, 2026 पारित किया है, इसके तहत वंदे मातरम को राष्ट्रगान के बराबर कानूनी दर्जा मिला है। यह नया कानून, जो पिछले महीने जुलाई में ही पास किया गया, जान-बूझकर वंदे मातरम के गायन में बाधा डालने या इसका अनादर करने को दंडनीय अपराध बनाता है। यह संशोधन 1971 के उस अधिनियम में किया गया है जो पहले केवल राष्ट्रगान से संबंधित था। इस ऐतिहासिक बदलाव के तहत, स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में, राष्ट्रगान से ठीक पहले लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम बजाया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस अवसर पर भारतीय वायुसेना का एक हेलीकॉप्टर वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक बड़ा ध्वज भी लेकर उड़ेगा, जो इस आयोजन की भव्यता को और बढ़ाएगा।

कोलंबिया भूकंप में मरने वालों की संख्या 188 हुई, 1677 लोग घायल

बोगोटा। पश्चिमी कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 188 हो गई है, जबकि 1,677 लोग घायल हुए हैं। कुल मृतकों में से 95 लोगों की मौत और 997 लोगों के घायल होने की रिपोर्ट सामने आई है, जबकि पेरेइरा में 79 लोगों की मौत और 278 लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोलंबिया के राष्ट्रपति अबेलार्डो डे ला एस्प्रीएला ने बताया था कि भूकंप से 1,575 घरों को नुकसान पहुंचा। साथ ही छह हवाई अड्डों का बुनियादी ढांचा भी प्रभावित हुआ है, जिसके चलते वहां वाणिज्यिक उड़ान सेवाएं रोक दी गई हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने राष्ट्रीय आपदा की घोषणा कर दी थी।

संपादकीय

संसद चलेगी या पटाक्षेप

संसद के मानसून सत्र के सिर्फ चार दिन शेष हैं। इनमें सोमवार भी शामिल है। हम यह संपादकीय संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले लिख रहे हैं, लिहाजा सोमवार को सदन में क्या हुआ, उसका विश्लेषण बाद में ही कर सकते हैं। सरकार ने एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम) संशोधन बिल पेश और पारित करना तय किया था, लेकिन विपक्ष का विरोध था। परिसीमन बिल इस सत्र में लटकता दिख रहा है। यदि परिसीमन बिल पारित नहीं होगा, तो महिला आरक्षण (नारी शक्ति वंदन कानून) 2034 के लोकसभा चुनाव से पहले लागू नहीं हो पाएगा। संशोधन बिल पारित कराने के लिए ही तृणमूल कांग्रेस के 20, शिवसेना (उद्धव) के 6 लोकसभा सांसद और आप के 7 राज्यसभा सांसद तोड़े गए थे। एनसीपी (शरद) के 8 लोकसभा सांसदों पर भी सरकार की निगाहें हैं। इन सांसदों ने सोमवार, 10 अगस्त, को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और स्वादिष्ट व्यंजन भी चखे। शिरोमणि अकाली दल (बादल) ने भी परिसीमन बिल को समर्थन का बयान दिया है, लिहाजा उसकी एकमात्र लोकसभा सांसद हरसिमरत कौर बादल के वोट का भी जुगाड़ हो गया है। द्रमुक के 22 सांसद भी सरकार के पाले में आ सकते हैं, फिलहाल कुछ शर्तों पर सौदेबाजी जारी है। यदि इन सभी पालाबदलू सांसदों का भी समर्थन मिल जाता है, तो भी सरकार 360 के आंकड़े तक नहीं पहुंचती। लोकसभा में यह दो-तिहाई बहुमत का आंकड़ा है। सरकार और आंध्रप्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस के दरमियान भी पालाबदल या घोषित समर्थन की बातचीत जारी है। यदि लोकसभा सीटों के नए परिसीमन के बाद ही महिला आरक्षण लागू करना था, तो 2023 में लगभग सर्वसम्मति से यह बिल पारित क्यों किया गया? कानून बनने के बावजूद करीब 3 साल तक उसकी सरकारी अधिसूचना जारी क्यों नहीं की गई? मौजूदा संदर्भ में अभी तो जनगणना जारी है, जो 2027 में संपन्न होगी। 2011 अथवा 1971 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करना बेमानी है, क्योंकि जनसंख्या काफी बढ़ चुकी है और लोकसभा सीटें बेहद असंतुलित हैं। बहरहाल हमारा सवाल है कि शेष चार दिनों में भी संसद चलेगी या यूं ही उसका पटाक्षेप करना पड़ेगा।

अभी तक संसद की कार्यवाही विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी की बलि चढ़ती रही है। देश के करदाताओं के 100 करोड़ रुपए से अधिक पर पानी फिर चुका है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह अपनी जिद पर अड़े हैं और कमोबेश कांग्रेस भी अड़ी है कि गृहमंत्री सदन में आएं और छात्रों, युवाओं पर बर्बर प्रहारों का जवाब दें। बीते 13-14 दिनों से प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सदन में दिखाई नहीं दिए। यह दुर्लभ और अप्रत्याशित हकीकत है। वे संसद के प्रति जवाबदेह हैं। अच्छा होता कि गृहमंत्री कमोबेश लोकसभा में आते और विपक्ष के शोर-शराबे में ही ऐसा जवाब देते कि विपक्ष कांप उठता! वैसे हमने किसी भी गृहमंत्री के जवाब पर किसी भी विपक्ष को कांपते हुए, कभी भी, नहीं देखा। गृहमंत्री प्रधानमंत्री से प्रेरणा ले सकते थे, जिन्होंने राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान उठाए गए तमाम सवालों के जवाब कांग्रेस सांसदों के हंगामे और नारेबाजी के बीच दिए थे। प्रधानमंत्री मोदी लगातार बोलते रहे। संसद के भीतर का वह भी दुर्लभ और असंसदीय अवसर था, क्योंकि व्यवस्था और परंपरा यह रही है कि जब प्रधानमंत्री एवं सदन के नेता बोलने के लिए खड़े होते हैं, तो हंगामा मौन हो जाता है। सभी सदन के नेता की बात सुनते हैं। यह संसदीय परंपरा भी ढह गई है। बहरहाल मानसून सत्र में एंटी पेपरलीक बिल का उदाहरण दिया जा सकता है, जिस पर दो दिनों में घंटों चर्चा हुई और बिल ध्वनि-मत से पारित किया गया। विपक्ष के एक भी सांसद ने शिक्षा-सुधार, परीक्षा-सुधार और समग्रत: शिक्षा-व्यवस्था पर कोई भी सुझाव नहीं दिया। बस, सत्ता-पक्ष को कोसते रहे और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांगते रहे। शेष बिल ऐसे थे, जो कभी भी पारित किए जा सकते थे। वे भी सदन में हां या ना के शोर के साथ पारित किए गए। कोई बहस नहीं। यह कोई आश्चर्य नहीं है कि हमारी संसद की कार्यवाही बाधित रहती है, सिर्फ विधायी पेपर और रपटें सदन के पटल पर रखी जाती हैं और फिर कार्यवाही स्थगित करनी पड़ती है। यदि यही लोकतंत्र है, तो देश में इस पर बहस छिड़नी चाहिए।

इथेनॉल : भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आगे

सोशल मीडिया और कुछ अनुभवों के कारण, कुछ लोगों को यह लगने लगा है कि ई-20 पेट्रोल की जबरदस्ती बिक्री सही नहीं है। बाजार में विभिन्न प्रकार के विकल्प होने में कोई हर्ज भी नहीं है। सरकार का मानना है, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के कई फायदे हैं।

नीट परीक्षा लीक के बाद आज मीडिया में सबसे बड़ा मुद्दा ई-20 यानी इथेनॉल ब्लैंडिंग पेट्रोल बना हुआ है। सरकार को इस बात पर घेरा जा रहा है कि वो लोगों पर इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल थोप रही है, जिससे उनकी माईलेज भी घट रही है और गाड़ियों के इंजन भी खराब हो रहे हैं। भारत में इथेनॉल ब्लेंडिंग का सफर 2001 में शुरू हुआ। इससे पहले, गहन चर्चा हो रही थी कि भारत अपने जैव संसाधनों का इस्तेमाल करके भले ही पूरी तरह से नहीं, तो कम से कम आंशिक रूप से, ऊर्जा सुरक्षा कैसे हासिल कर सकता है। इसमें सिर्फ इथेनॉल ही नहीं, बल्कि बंजर भूमि पर उगाए जाने वाले जेट्रोफा, पोंगामिया (करंज) जैसी फसलों से बनने वाले दूसरे बायो-ईंधन भी शामिल थे, जिनका इस्तेमाल विकल्प के तौर पर किया जा सकता था। हालांकि, इन बायो-ईंधन का कुछ हद तक इस्तेमाल 2001 से पहले ही शुरू हो गया था, लेकिन पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग की पहली आधिकारिक घोषणा तत्कालीन पेट्रोलियम मंत्री राम नाइक द्वारा 2001 में स्वदेशी जागरण मंच के थिंक टैंक सीबीएमडी द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में की गई थी। यह कहा गया कि इससे आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी और सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद कीमती विदेशी मुद्रा की भारी बचत होगी।

तत्कालीन यूपीए सरकार के कार्यकाल में 2006 में पेट्रोल में 5 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण (ई-5) का कार्यक्रम 20 राज्यों और 4 केंद्रशासित प्रदेशों तक विस्तारित किया गया। इसका अर्थ यह नहीं था कि इथेनॉल मिश्रण की अधिकतम सीमा 5 प्रतिशत पर स्थायी रूप से तय कर दी गई थी। यह कई सालों तक ऐसे ही चलता रहा, जब तक कि इस ब्लेंडिंग में इथेनॉल का अनुपात बढ़ाने का फैसला नहीं किया गया। भारत में पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण की यात्रा धीरे-धीरे आगे बढ़ी। शुरूआती दौर में 5 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य रखा गया। 2018 में 10 प्रतिशत ब्लैंडिंग का लक्ष्य 2022 तक हासिल करने का निर्धारण किया गया, जिसे सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने जून 2022 में निर्धारित समय से पांच महीने पहले ही प्राप्त कर लिया। इसके बाद यह ब्लैंडिंग बढकर 2022-23 में 12.06 प्रतिशत और 2023-24 में 14.60 प्रतिशत हो गई। 2024-25 में यह लगभग 19 प्रतिशत तक पहुंच गई। अंतत: 2025-26 में भारत ने 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लैंडिंग का लक्ष्य हासिल कर लिया, मूल 2030 के लक्ष्य से पांच वर्ष पहले। शायद इथेनॉल ब्लेंडिंग का अनुपात जल्दी से 20 प्रतिशत तक बढ़ाने की मुख्य वजह कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और अमरीका-ईरान युद्ध तथा उसके बाद होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी के कारण सप्लाई में रुकावट थी।

कार्बन उत्सर्जन : 2001 में जब पहली बार इथेनॉल ब्लेंडिंग के बारे में सोचा गया था, तो मुख्य जोर ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता पर था, कार्बन उत्सर्जन कम करने पर उतना जोर नहीं था। लेकिन, नीति निमार्ताओं के मन में यह बात जरूर थी कि इथेनॉल ब्लेंडिंग से पेट्रोलियम उत्पादों के कारण होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी मदद मिल सकती है। लेकिन, जैसे-जैसे समय बीतता गया, ग्लोबल वार्मिंग और कार्बन उत्सर्जन को लेकर चिंता बढ़ती गई। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में लगातार बढ़ता तापमान निश्चित रूप से जीवाश्म ईंधन को जलाने और दूसरी औद्योगिक गतिविधियों से जुड़ा है। हाल के समय में, पर्यावरण और ग्लोबल वार्मिंग को ध्यान में रखते हुए जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल कम करने के लिए कई कोशिशें हुई हैं। जानकारों का मानना है कि इथेनॉल ब्लेंडिंग के कारण भी जीवश्म ईंधन का उपयोग कम होगा और इसे कार्बन उत्सर्जन भी घटेगा। हाल ही में, सरकार के पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाकर बेचने के फैसले पर काफी विवाद हुआ है। सबसे पहले, सरकार पर आरोप लग रहा है कि वह बिना ठीक से जांच-पड़ताल किए मिलावटी पेट्रोल इस्तेमाल करने के लिए मजबूर कर रही है जिससे वाहनों को नुकसान पहुंच रहा है और आम जनता के वाहन खराब होने का खतरा बढ़ रहा है। एक और आपत्ति यह है कि चूंकि इथेनॉल एक सस्ता घटक है और इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल बनाने की लागत कम आती है, फिर भी सरकार कंपनियों से यह नहीं कह रही है कि वे इसका फायदा ग्राहकों तक पहुंचाएं। इथेनॉल मिलाने के खिलाफ तीसरी आपत्ति यह है कि इससे गाड़ियों का माइलेज कम हो जाता है, हालांकि अधिकारी मानते हैं कि माइलेज 2 से 6 प्रतिशत तक कम हो सकता है, लेकिन आलोचकों का मानना है कि माइलेज में कम से कम 10 से 15 प्रतिशत की कमी आती है।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव : अंतरराष्ट्रीय अनुभव से पता चलता है कि कई देश पहले से ही इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिनमें ब्राजील जैसे पेट्रोलियम भंडार वाले देश भी शामिल हैं। ब्राजील में लंबे समय से अलग-अलग तरह के इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल हो रहा है। ब्राजील ने गाड़ियों में जरूरी बदलाव करके 100 प्रतिशत इथेनॉल वाले ईंधन की भी शुरूआत की है। आलोचकों का तर्क है कि पहले बनी भारतीय गाड़ियां इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल के इस्तेमाल के लिए उपयुक्त नहीं हैं, और इसलिए 20 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल से गाड़ियों को नुकसान पहुंचेगा। ई-20 को लेकर मुख्य चिंता पुराने पेट्रोल वाहनों की तकनीकी उपयुक्तता को लेकर है। 2008 के बाद के अधिकांश वाहन ई-10 के अनुरूप ही बनाए गए थे, जबकि ई-20 के लिए मटीरियल उपयुक्तता और इंजन कैलिब्रेशन की आवश्यकताएं अधिक हैं। इसलिए पुराने वाहनों में ई-20 से ईंधन क्षमता में कुछ कमी तथा लंबे समय में कुछ ईंधन से जुड़े कलपुर्जों पर अतिरिक्त प्रभाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, उपलब्ध तकनीकी परीक्षणों से यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि ई-20 सामान्य रूप से पुराने वाहनों को व्यापक या तत्काल नुकसान पहुंचाता है। नए वाहनों को ई-20 के अनुरूप बनाना इस संक्रमण का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

प्रश्न कीमत का : आलोचकों का कहना है कि चूंकि ई-20 पेट्रोल लागू करने का मूल तर्क इथेनॉल के सस्ते दाम पर उपलब्ध होना है तो सरकार को सस्ते इथेनॉल का लाभ उपभोक्ताओं को भी देना चाहिए। लेकिन सरकार ने एक तरफ शुद्ध पेट्रोल की उपलब्धता समाप्त कर दी और सभी को इथेनॉल ब्लैंडिड पेट्रोल को उसी कीमत पर खरीदने के लिए अब बाध्य कर रही है। आलोचकों का यह भी कहना है कि चूंकि ई-20 पेट्रोल से माईलेज भी कम हो जाती है, उसकी भरपाई भी ई-20 पेट्रोल को सस्ता कर की जा सकती है। पेट्रोल में इथेनॉल ब्लैंडिंग का अनुपात बढ़ने के कारण अब इथेनॉल की कीमत भी बढ़ने लगी है। अब तो यह भी कहा जा रहा है कि वो कच्चे तेल की कीमत से भी ज्यादा हो गई है। इसलिए इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की कीमत घटाने की संभावना तो नहीं लगती।

इस विवाद का क्या है समाधान : सोशल मीडिया और कुछ अनुभवों के कारण, कुछ लोगों को यह लगने लगा है कि ई-20 पेट्रोल की जबरदस्ती बिक्री सही नहीं है। बाजार में विभिन्न प्रकार के विकल्प होने में कोई हर्ज भी नहीं है। लेकिन सरकार का मानना है कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के कारण कई फायदे हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पहला फायदा यह है कि इससे ऊर्जा में आत्मनिर्भरता बढ़ती है। तेल की उपलब्धता कम होने पर भी दशीय संसाधनों का उपयोग कर पेट्रोल उपलब्ध कराया जा सकता है। इसके साथ ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल से बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भी बचती है। दूसरा फायदा यह है कि इथेनॉल का इस्तेमाल होने से इसका लाभ किसान को मिलता है, क्योंकि इससे उनको अपनी उपज का सही मूल्य मिलता है।

डा. अश्वनी महाजन
पूर्व प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

ऐसे तो फिर हाथ से फिसल जाएगी सत्ता की कुर्सी !

हाल ही में गठित उत्तराखंड कांग्रेस की भारी भरकम कार्यकारिणी में हरीश रावत का नाम नदारद है,कुछ ऐसे चर्चित और प्रभावी नाम भी कार्यकारिणी में नही है ,जिनके नाम से ही कांग्रेस जानी जाती है ।साथ ही जो मुसलमान कांग्रेस को आंख बंद करके वोट देता आया है,उनकी संख्या कार्यकारिणी में मात्र 8 है ।वह भी तब जब कार्यकारिणी के प्रदेश सचिवों की संख्या ही 107 तक पहुंच गई है ।एक तरफ उत्तराखंड में कार्यकारिणी गठन का ऐलान हो रहा था,वही दूसरी तरफ दिल्ली से खबर आ रही थी कि हरीश रावत जिंदगी की जंग लड़ रहे है ।हल्द्वानी में हुई कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा में कुछ कार्यकर्ताओ ने हरीश रावत जिंदाबाद के नारे उनकी गैर मौजूदगी में लगा दिए तो कांग्रेस प्रभारी शैलजा नाराज हो गई,जबकि होना यह चाहिए था कि जनसभा में हरीश रावत को भी आमंत्रित कर उनका भाषण कराया जाता ।पता नही कांग्रेस अपनो को दूर करके क्या हासिल करना चाहती है ।कांग्रेस में योग्य कार्यकर्ताओ की कमी नही है,परन्तु गुटबाजी के चक्कर मे उन्हें आगे ही नही लाया जाता ।पार्टी के प्रभारी जो नेता बनते है,उनकी भी परफॉर्मेंस का आंकलन करना चाहिए कि उन्होंने अपने राज्यो में पार्टी को कितनी सीटे दिलवाई, ऐसा न हो कि अपने राज्यो में हारकर दूसरे राज्य का प्रभारी बन सिर्फ अपने स्वस्गत कराता हुआ ही प्रभारी घूमता रहे ।कम से कम भाजपा में ऐसा नही होता,वहां निष्ठावान कार्यकर्ताओ को खोज खोजकर दायित्व दिया जाता है ।जबकि कांग्रेस में चापलूसी, चमचागिरी और जी हुजूरी पहले नंबर पर है तभी कुछ मिल सकता है ।आज पार्टी में ऐसे ऐसे पदाधिकारी बन बैठे है ,जो पार्टी के प्रति शायद ही वफादार रहे हो ।आगामी 2027 के मद्देनजर होना यह चाहिए था कि कांग्रेस सबको साथ लेकर चलती ।लेकिन हाल के घटनाक्रम तो आपसी फूट की तरफ इशारा कर रहे है ।कांग्रेस के लिए यह स्वर्णिम अवसर है जब भाजपा के मौजूदा 32 विधायकों की रिपोर्ट खराब आई है,यदि उन्ही सीटों को कांग्रेस टारगेट बना ले तो उसकी नैया पार हो सकती है ।लेकिन न तो हरीश रावत के बिना और न ही पार्टी के उन निष्ठावानो के बिना ,जो कांग्रेस को अपने खून से सींचते है।

हरीश रावत एक मात्र ऐसे नेता है जो अपने कार्यकताओं के बीच सदैव सक्रिय रहते है ।उनके बिना कांग्रेस आज भी बेमायने है ।पिछले दिनों भी कांग्रेस प्रभारी शैलजा से अप्रत्यक्ष नाराजगी के चलते हरीश रावत ने अर्जित अवकाश की राजनीति शुरू की थी ।जिसे लेकर कांग्रेस के आला अधिकारी से लेकर कांग्रेस समर्थक भी असमंजस में रहे ।अपनी बढ़ती उम्र में भी बेहद सक्रिय कांग्रेस के शीर्ष नेता हरीश रावत के पास वर्तमान में कोई दायित्व नही है,फिर भी वे राज्य के सर्वाधिक सक्रिय नेता कहे जा सकते है ।ऐसे में उनकी अनदेखी करके कांग्रेस कोई भी चुनाव फिलहाल नही लड़ सकती और यदि ऐसा हुआ तो फिर से कांग्रेस की लुटिया डूबने में देर नही लगेगी ।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा भी है कि वे पार्टी के लिए बूथ अध्यक्ष तक बनने को तैयार है। पिछले दिनों हरीश रावत का यह कहना भी गलत नही है कि कांग्रेस में कुछ लोग ह्लजहरीलेह्व हैं,ऐसे लोग बीजेपी में भी हैं। हरीश रावत ने हाल ही में कांग्रेस से यह भी कहा कि,मैं बूढ़ा आदमी हूं, मेरा काम है खांसते रहना ताकि कोई गलत आदमी पार्टी में न घुस पाए ।उन्होंने पार्टी के साथ दगा करने वाले एक नेता कि ओर इशारा कर कहा कि, आपके पास जो भी जहर है, वो मेरे ऊपर डाल दो, मैं उसे पी जाऊंगा,आप बस एक-दूसरे की तारीफ करो, एक-दूसरे को प्रोत्साहित करो और आगे बढ़ो।

वास्तव में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के सामने कांग्रेस की मौजूद चुनौती को साफ दिखती है, गुटों में बंटी कांग्रेस इकाई का नेतृत्व करना, वह भी 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले बेहद कठिन है ।वह भी तब जब कांग्रेस पार्टी सन 2017 और सन 2022 के दो विधानसभा चुनाव हार चुकी हो, साथ ही राज्य की लगातार तीन लोकसभा चुनावों में भी एक भी सीट कांग्रेस नहीं जीत पाई है,जो पार्टी की कमजोर हालत को प्रमाणित करता है ।कांग्रेस की कमान पहले करन माहरा को दे दी गई थी,परन्तु वे कांग्रेस में कोई चमत्कार नही कर पाये ।यहां तक कि कार्यकारिणी तक नही बना सके थे ।हरीश रावत ने स्वयं को पीछे करते हुए सार्वजनिक रूप से सुझाव दिया था कि अगला विधानसभा चुनाव कांग्रेस को प्रीतम सिंह (जो पांच बार के विधायक हैं) के नेतृत्व में लड़ना चाहिए। उनका यह बयान पार्टी में एकता का पहला कदम कहा जा सकता है। प्राकृतिक आपदा में विजय बहुगुणा के फेल हो जाने के कारण उनकी जगह सन 2014 में हरीश रावत को मुख्यमंत्री पद पर रिप्लेस किया गया था ।यह बदलाव उस समय हुआ था जब विजय बहुगुणा पर जून 2013 की केदारनाथ आपदा से निपटने को लेकर भारी आलोचना हो रही थी क्योंकि आपदा के समय विजय उत्तराखंड के बजाए दिल्ली में डेरा डाले हुए थे ।इस परिवर्तन में हरीश रावत सफल भी रहे।

करन माहरा को सीडब्ल्यूसी और प्रीतम सिंह को सीईसी में शामिल किया जाना, कांग्रेस हाईकमान द्वारा राज्य में प्रतिस्पर्धी गुटों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश है। हरीश रावत ने पिछले दिनों लिखा था, ह्लअचानक मुझे लगा कि हरीश रावत, तुम इतने सालों से ऊपरी स्तर पर कुछ न कुछ करते रहे हो, क्यों न इस बार जमीनी स्तर पर काम किया जाए?ह्व बस,उनकी इसी पोस्ट ने राज्य की राजनीति में चर्चा तेज की और उनका बयान राजनीतिक सुर्खियां बन गया। उन्होंने एक्स पर एक अन्य पोस्ट के जरिए अपनी बात दोहराई और साफ कहा कि उनकी टिप्पणी को ह्लपावर मूवह्व यानी शक्ति प्रदर्शन के रूप में न देखा जाए, रावत ने लिखा, ह्लपार्टी ने मुझे सब कुछ दिया है, आज भी मेरे समर्थक इसे अपने तरीके से परिभाषित करते हैं और मेरे आलोचक अपने तरीके से ।जब पार्टी एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है, तो क्या मेरा कर्तव्य नहीं कि मैं उसे जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए अपनी सेवाएं दूं।ह्वयदि कांग्रेस को सन 2027 में आना है तो उसे पार्टी के प्रति वफादारों को तवज्जो देनी होगी।

लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन
(लेखक वरिष्ठ राजनीतिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भाषा विभाग को चाहिए सुधारों की कलम

चौथा, मुद्दा संस्कृति सदनों का है। अस्सी के दशक में हर जिले में खुले लेखक गृह बंद हो चुके हैं। भाषा विभाग या सरकार ने 2009 में प्लेट में सजा कर क्रिकेट स्टेडियम के पास स्थित धर्मशाला का लेखक गृह केन्द्रीय विश्वविद्यालय को सौंप दिया और वह 17 साल से उस पर कब्जा जमाए बैठा है। भाषा विभाग उससे किराये के रूप में 70 लाख से ज्यादा प्राप्त कर चुका है। इस राशि से लेखक गृह का नया भवन बनाया जा सकता था। लेकिन कम्फर्ट जोन में सांस लेने वाली अफसरशाही के कानों में जूं तक नहीं रेंगती।

लंबे समय से हिमाचल सरकार का भाषा विभाग व अकादमी विवादों में रहे हैं। 1972 में जब इन दो संस्थानों की स्थापना की गई थी तो कलाकारों, लेखकों और संस्कृति कर्मियों ने इनका स्वागत किया था। अस्सी के दशक में कला, संस्कृति और साहित्य के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित इन विभागों को एमके काव, श्रीनिवास जोशी जैसे कल्पनाशील और जुनूनी अधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त था तो वीरभद्र सिंह जैसे मुख्यमंत्री का भी संस्कृतिकर्मियों के प्रति विशेष अनुराग था। वक्त ने करवट बदली और भविष्य में सत्तासीन होने वाली सरकारों, खासकर भाजपा के शासन काल में अस्सी के दशक में शुरू हुई कल्याणकारी योजनाएं बंद होती चली गईं। आम धारणा है कि दक्षिणपंथी व संघी विचारधारा की सरकारें कला, संस्कृति और अदबी दुनिया की विरोधी रही हैं और लेखक समाज तो शायद उन्हें फूटी आंख नहीं सुहाता। बहरहाल, विगत कुछ वर्षों यानी वर्तमान कांग्रेस सरकार के शासन में संस्कृति विभाग के सचिव राकेश कंवर ने लेखक समुदाय के हित में कुछ दूरगामी फैसले लिए जिनकी प्रशंसा भी हुई।

$खासकर गेयटी थियेटर परिसर में ह्लशिमला किताबघरह्व की स्थापना और फिर इस प्रयोग को प्रत्येक जिला भाषा अधिकारी कार्यालय में विस्तारित किया गया। शिमला में जो साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्थाएं आए रोज गोष्ठियों का आयोजन करती रहती थीं, उन्हें गेयटी थियेटर का सम्मेलन कक्ष नि:शुल्क उपलब्ध करवा दिया गया। जो कभी कभार ऐसे आयोजनों को गेयटी में करवाते रहते हैं, उन्हें 10 हजार तक पूरे दिन का किराया अदा करना पड़ता है। इससे लेखकों और उन संस्थाओं में भारी रोष व्याप्त है जो चंद घंटों के लिए हजारों की फीस देने के लिए बाध्य हैं। सरकार का यह निर्णय भेदभाव को बढ़ावा दे रहा है जिस पर तत्काल प्रभाव से पुनर्विचार की आवश्यकता है। साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्थाएं पूर्ण रूप से ह्लनॉन कमर्शियलह्व हैं और पाई-पाई जोडकर साहित्य, कला व संस्कृति की सेवा को समर्पित हैं। सरकार को चाहिए कि वे सभी संस्थाओं को बराबरी के नजरिए से ट्रीट करे। सभी संस्थाओं को गेयटी थियेटर नि:शुल्क उपलब्ध करवाए अथवा या जिन्हें यह सुविधा दी जा रही हैं उसे निरस्त करें। दूसरा ज्वलन्त मुद्दा शिमला किताब घर का है जहां पूर्व में हिमाचली लेखक अपनी पुस्तकों की बिक्री के लिए अपनी पुस्तकें सीधे भेजते थे। कुछ समय से अकादमी और भाषा विभाग ने पुस्तकों के डिस्पले और बिक्री पर ह्लसेन्सर कमेटीह्व का गठन कर दिया है। अकादमी या भाषा विभाग के बाबू, जो अदबी दुनिया से संभवत: कतई बेखबर हैं, यह तय कर रहे हैं कि किस-किस लेखक की कौनसी कौनसी किताबों को अकादमी के गोदाम में डम्प करना है, उसे सड़ने के लिए छोड़ देना है या फिर उसका चयन कर शिमला किताब घर भेजना है? हिमाचल के लेखकों की किताबों की बिक्री के लिए यह आपातकाल का दौर है। किस लेखक की कौनसी किताब बिकने की क्षमता या सामर्थ्य रखती है, यह केवल पाठक ही तय कर सकता है।

अकादमी या विभाग नहीं। यह निर्णय सीधे-सीधे लेखकों और उनकी किताबों के प्रति तिरस्कार भाव का सूचक है। जो किताबें न बिकें, उन्हें छह महीने या साल के बाद लेखक को लौटा देना चाहिए, ताकि शिमला किताबघर में नई किताबों या पत्रिकाओं के लिए स्पेस क्रिएट हो सके। लेकिन अकादमी और भाषा विभाग इस मामले में तानाशाही जैसा रवैया अपनाए हुए है? लोकतान्त्रिक व्यवस्था का तकाजा है कि वह लेखकों की किताबों की बिक्री प्रक्रिया को सुगम व सरल बनाए। मगर ब्यूरोक्रेसी स्वयं को सर्वश्रेष्ठ साबित करने में ही वक्त जाया करती रहती है। लेखक समाज के प्रति उसकी संवेदनशीलता का तो प्रश्न ही नहीं उठता। तीसरा मुद्दा, कभी गुलेरी जयंती तो कभी यशपाल जयंती या दीगर महान लेखकों की जयंतियों या अन्य सरकारी गोष्ठियों में लेखकों को दिए जाने वाले पारिश्रमिक का है। जिला या राज्यस्तरीय कार्यक्रमों में लेखकों की औकात मजदूर या मिस्त्री की दिहाड़ी से भी बदत्तर है। हिमाचल में निर्माण कार्यों में मजदूर की दिहाड़ी 700/- रुपए है तो मिस्त्री 1000/- रुपए लेता है। दूसरी ओर जिला या राज्यस्तर की संगोष्ठियों में भाग लेने वाले साहित्यिकारों को क्रमश: 450/- या 650/- रुपए अदा करने का प्रावधान है।

लेखक के लिए यह अत्यंत शर्मनाक स्थिति है, लेकिन वह दौड़-दौडकर सभी सरकारी प्रोग्रामों में ह्लसुशोभितह्व होने के लिए हर शहर, हर कस्बे में पहुंच जाता है। लेखक को रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए मंच चाहिए। चौथा, मुद्दा संस्कृति सदनों का है। अस्सी के दशक में हर जिले में खुले लेखक गृह बंद हो चुके हैं। भाषा विभाग या सरकार ने 2009 में प्लेट में सजा कर क्रिकेट स्टेडियम के पास स्थित धर्मशाला का लेखक गृह केन्द्रीय विश्वविद्यालय को सौंप दिया और वह 17 साल से उस पर कब्जा जमाए बैठा है। भाषा विभाग उससे किराये के रूप में 70 लाख से ज्यादा प्राप्त कर चुका है। इस राशि से लेखक गृह का नया भवन बनाया जा सकता था। लेकिन कम्फर्ट जोन में सांस लेने वाली अफसरशाही के कानों में जूं तक नहीं रेंगती। 2007 के बाद भाषा विभाग और अकादमी की सभी पुरस्कार योजनाएं बंद पड़ी हैं। उन्हें शायद लगता है कि हिमाचल में कोई भी लेखक पुरस्कार पाने के काबिल नहीं है? भाषा विभाग और अकादमी की कार्यप्रणाली से ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार इन संस्थानों को निकट भविष्य में कभी भी बंद कर सकती है। इन विभागों को अगर मृत:प्राय अवस्था से मुक्त होना है, तो यथास्थिति से बाहर आना होगा। कुछ नई स्कीमें, परियोजनाएं लानी होंगी। बजट बढ़ाना होगा।

राजेंद्र राजन, साहित्यकार

आलेख

भारतीय मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानी

भारत का स्वतंत्रता संग्राम एक लंबा, कठिन और बलिदानों से भरा सफर था, जिसमें समाज के सभी वर्गों, धर्मों और समुदायों के लोग एकजुट हुए। इनमें मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानियों का योगदान विशेष रूप से महत्वपूर्ण और अविस्मरणीय है।

मुस्लिम नेताओं, बुद्धिजीवियों, धार्मिक विद्वानों, क्रांतिकारी युवाओं और आम नागरिकों ने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का हर मोर्चे पर सामना करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। यह लेख स्वतंत्र भारत की नींव रखने में योगदान देने वाले कुछ सबसे प्रतिष्ठित और साथ ही कम प्रसिद्ध मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का ऐतिहासिक अवलोकन प्रस्तुत करता है।

प्रमुख मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानी

मादरे वतन के लिए अंग्रेजों के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले अल्लामा मौलाना फजले हक खैराबादी आपने 1857 में दिल्ली की जामा मस्जिद से अंग्रेजों के खिलाफ जिहाद का फतवा दिया था क्योंकि आप टिपू सुल्तान और बंगाल में अंग्रेजों की जीत से टिपू सुल्तान की शहादत से बडे सदमे थे आपके दौर में ये हादसा बड़ी चर्चा का विषय हुआ करता था आपके जिस फतवे के बाद मुल्क में मुसलमानो ने बगावत छेड़ दिया था।

मौलाना अबुल कलाम आजाद: ज्ञान, बुद्धिमत्ता और एकता के प्रतीक

मौलाना अबुल कलाम आजाद भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रणी नेताओं में शुमार हैं। वे न केवल एक राजनीतिज्ञ थे, बल्कि एक प्रख्यात इस्लामी विद्वान, पत्रकार, कुरान के टीकाकार और विचारक भी थे। अपने समाचार पत्रों अल-हिलाल (1912) और बाद में अल-बलाग के माध्यम से उन्होंने ब्रिटिश सरकार की शोषणकारी नीतियों की तीखी आलोचना की और मुसलमानों तथा व्यापक भारतीय जनता दोनों में राजनीतिक चेतना जागृत की।

आजाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सबसे युवा अध्यक्ष बने और उन्होंने 1940 से 1946 तक के महत्वपूर्ण वर्षों में पार्टी का नेतृत्व किया, जब द्वितीय विश्व युद्ध अपने चरम पर था और भारत का स्वतंत्रता आंदोलन निर्णायक दौर में प्रवेश कर चुका था। उनकी राजनीतिक विचारधारा की प्रमुख विशेषताओं में से एक हिंदू-मुस्लिम एकता में उनका अटूट विश्वास था। उन्होंने दो-राष्ट्र सिद्धांत पर आधारित भारत के विभाजन का कड़ा विरोध किया और निरंतर एक एकीकृत और धर्मनिरपेक्ष भारत की वकालत की। स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री के रूप में, उनके योगदानों में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की स्थापना शामिल है, जिसने देश की आधुनिक शिक्षा प्रणाली की नींव रखी।

खान अब्दुल गफ्फार खान: सीमांत गांधी और अहिंसा के दूत

खान अब्दुल गफ्फार खान, जिन्हें प्यार से "फ्रंटियर गांधी" या "बाचा खान" कहा जाता था, उत्तर-पश्चिम सीमा प्रांत (वर्तमान खैबर पख्तूनख्वा) के एक प्रभावशाली पश्तून नेता थे। 1929 में, उन्होंने खुदाई खिदमतगार ("ईश्वर के सेवक") आंदोलन की स्थापना की, जिसका मुख्य उद्देश्य सामाजिक सुधार और ब्रिटिश शासन के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रतिरोध था। परंपरागत रूप से युद्धप्रिय पश्तून समुदाय को अहिंसा के सिद्धांतों के आधार पर संगठित करना उनकी सबसे बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धियों में से एक थी ।उन्होंने खिलाफत आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया और लगभग तीन दशक ब्रिटिश जेलों में बिताए। मौलाना आजाद की तरह, उन्होंने भी भारत के विभाजन का कड़ा विरोध किया। जब कांग्रेस ने अंतत: विभाजन को स्वीकार कर लिया, तो उन्होंने प्रसिद्ध रूप से कहा, "आपने हमें भेड़ियों के सामने फेंक दिया है।"

मौलाना मोहम्मद अली जौहर: निडर पत्रकार और खिलाफत आंदोलन के नेता

मौलाना मोहम्मद अली जौहर भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के सबसे साहसी और वाक्पटु नेताओं में से एक थे। उन्होंने अपने प्रसिद्ध अंग्रेजी समाचार पत्र 'द कॉमरेड' और उर्दू समाचार पत्र 'हमदर्द' के माध्यम से ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरुद्ध कलम को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया और एक सशक्त बौद्धिक एवं पत्रकारिता अभियान चलाया। वे ऐतिहासिक खिलाफत आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे, जिसने अंग्रेजों के शासन के विरुद्ध हिंदुओं और मुसलमानों को एक मंच पर एकजुट किया। असहयोग आंदोलन के दौरान उन्होंने महात्मा गांधी के साथ मिलकर काम किया और कारावास की सजा भी भुगती। उनका योगदान राजनीति से परे शिक्षा तक भी फैला हुआ था; जामिया मिलिया इस्लामिया की स्थापना उनकी दूरदृष्टि और प्रयासों का प्रमाण है। 1930 में लंदन में आयोजित प्रथम गोलमेज सम्मेलन में उन्होंने घोषणा की थी: "मैं गुलाम देश में लौटने की बजाय एक स्वतंत्र देश में मरना पसंद करूंगा।" नियति ने उनके इन शब्दों को साकार किया: उनका निधन लंदन में हुआ और उन्हें यरूशलेम में दफनाया गया।

अशफाकुल्ला खान: क्रांति और बलिदान का प्रतीक

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जहाँ एक ओर व्यापक शांतिपूर्ण राजनीतिक सक्रियता देखने को मिली, वहीं दूसरी ओर क्रांतिकारी सशस्त्र प्रतिरोध का भी एक उल्लेखनीय अध्याय था। अशफाकुल्ला खान इसी क्रांतिकारी धारा से संबंधित थे और हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य थे। उन्होंने 9 अगस्त 1925 की प्रसिद्ध काकोरी ट्रेन कांड में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश खजाने का पैसा ले जा रही एक ट्रेन से सरकारी धन जब्त कर लिया था। पंडित राम प्रसाद बिस्मिल के साथ उनकी घनिष्ठ मित्रता और वैचारिक बंधन हिंदू-मुस्लिम एकता का एक अमर उदाहरण बना हुआ है। ब्रिटिश सरकार द्वारा मृत्युदंड सुनाए जाने पर, अशफाकुल्ला खान ने दया की भीख मांगने से इनकार कर दिया और असाधारण साहस के साथ फांसी को गले लगा लिया। उनकी शहादत ने भारत के युवाओं में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ प्रतिरोध की एक नई भावना को प्रेरित किया।

बेगम हजरत महल: 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की साहसी नायिका

जब भी प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857 का विद्रोह) का स्मरण किया जाता है, बेगम हजरत महल का नाम अत्यंत आदर के साथ लिया जाता है। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा अवध राज्य पर कब्जा करने के बाद औरअपने पति नवाब वाजिद अली शाह को कलकत्ता निर्वासित किए जाने के बावजूद, उन्होंने परिस्थितियों के आगे आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया। उन्होंने अपने युवा पुत्र बिरजिस कद्र को सिंहासन पर बिठाया और स्वयं सैन्य एवं राजनीतिक नेतृत्व संभाला। उन्होंने विभिन्न समुदायों और धर्मों के लोगों को एकजुट किया और लखनऊ की घेराबंदी के दौरान ब्रिटिश सेना को भारी क्षति पहुंचाई। यद्यपि अंतत: भारी संख्या में ब्रिटिश सेना के आगे झुकने के कारण उन्हें पीछे हटना पड़ा, फिर भी उन्होंने अंग्रेजों द्वारा दी गई पेंशन और विशेषाधिकारों को अस्वीकार कर दिया और नेपाल में शरण ली, जहाँ भारत की स्वतंत्रता की कामना करते हुए उनका निधन हो गया। इन राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त हस्तियों के अलावा, हजारों क्षेत्रीय मुस्लिम नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों ने अमूल्य योगदान दिया है जो भारत की स्वतंत्रता की नींव में आज भी निहित हैं।

इतिहास के गुमनाम नायक: क्षेत्रीय और कम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी

मौलवी अहमदुल्ला शाह

1857 के विद्रोह के दौरान, उन्होंने फैजाबाद और रोहिलखंड क्षेत्रों में अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध का नेतृत्व किया। थॉमस सीटोन सहित ब्रिटिश अधिकारियों ने उनके सैन्य नेतृत्व, वीरता और संगठनात्मक क्षमताओं को स्वीकार किया।

पीर अली खान

पेशे से पटना के एक पुस्तक विक्रेता, पीर अली खान भारत की स्वतंत्रता के प्रति पूरी तरह समर्पित थे। उन्होंने 1857 में पटना में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया और विद्रोह में अपनी भूमिका के लिए उन्हें सार्वजनिक रूप से फांसी दे दी गई।

युसूफ मेहरअली

बहुत कम लोग जानते हैं कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दो सबसे शक्तिशाली नारे—"साइमन वापस जाओ" और "भारत छोड़ो"—युसुफ मेहरअली द्वारा गढ़े गए थे। एक प्रतिष्ठित समाजवादी नेता और बंबई के मेयर के रूप में, उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण बौद्धिक और संगठनात्मक भूमिका निभाई।

इनायतुल्लाह खान मशरिकी (अल्लामा मशरिकी)

उन्होंने खाकसार आंदोलन की स्थापना की और सैन्य शैली के अनुशासन और संगठन के माध्यम से ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ जनता को संगठित करने का प्रयास किया।

वक्कोम अब्दुल खादर

वक्कोम अब्दुल खादर ने केरल (मालाबार) में स्वतंत्रता आंदोलन को संगठित करने और क्षेत्रीय स्तर पर ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ स्थानीय लोगों को लामबंद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।निष्कर्ष भारत की स्वतंत्रता किसी एक व्यक्ति, धर्म या समुदाय की उपलब्धि नहीं थी। बल्कि, यह अनगिनत बलिदानों और सामूहिक संघर्ष का परिणाम थी। मौलाना अबुल कलाम आजाद की बौद्धिक दूरदृष्टि, खान अब्दुल गफ्फार खान का अहिंसक नेतृत्व, अशफाकुल्ला खान की क्रांतिकारी शहादत, बेगम हजरत महल का सैन्य साहस और यूसुफ मेहरअली जैसे व्यक्तित्वों के रचनात्मक राजनीतिक नेतृत्व ने स्वतंत्रता आंदोलन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इतिहास का निष्पक्ष अध्ययन यह स्पष्ट करता है कि मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानियों ने ब्रिटिश उपनिवेशवाद के विरुद्ध संघर्ष के प्रत्येक चरण में अपना रक्त बहाया और अपने प्राणों की आहुति दी। उनका बलिदान आधुनिक, लोकतांत्रिक और स्वतंत्र भारत के निर्माण में एक गौरवशाली अध्याय बना हुआ है।

सूफी समाजिक कार्यकर्ता
सूफी मंजूर रजा कादरी
राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष लब्बैक यूथ फोर्स आतंकवाद विरोधी संगठन सिवनी मध्यप्रदेश इंडिया।

संक्षिप्त वार्ता

दिल्ली मेट्रो के सेवा तीर्थ स्टेशन पर पटरी पर कूदा यात्री, सेवाएं प्रभावित

नई दिल्ली, 12 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन पर बुधवार को एक यात्री के सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशन पर पटरी पर कथित रूप से कूद जाने के बाद ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने यात्रियों को इस मार्ग पर सेवाएं बाधित होने की जानकारी देते हुए एक सूचना जारी की। डीएमआरसी ने कहा, सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशन पर एक यात्री के पटरी पर होने के कारण येलो लाइन पर ट्रेन सेवाओं में देरी हुई। मेट्रो संचालक ने यात्रियों को बताया कि अन्य सभी लाइनों पर ट्रेन सेवाएं सामान्य रूप से जारी हैं।

अंकित शर्मा केस हाईकोर्ट पहुंचा, दिल्ली पुलिस ने 6 बरी आरोपियों के खिलाफ की अपील

नई दिल्ली, 12 अगस्त (वेब वार्ता)। 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या का मामला दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचा है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने छह आरोपियों को बरी किए जाने के निचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। उधर, मामले में दोषी ठहराए दो लोगों ने भी हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है।

इस साल 13 जुलाई को ट्रायल कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन और 4 अन्य लोगों को अंकित शर्मा की हत्या का दोषी ठहराया था। अन्य आरोपियों में नाजिर, कासिम, जावेद और अनस शामिल हैं। बाद में 31 जुलाई को अदालत ने ताहिर हुसैन और चार अन्य दोषियों को इस मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही, 6 अन्य लोगों को बरी कर दिया गया।

आईआईटी दिल्ली में लगेगा डिजिटल ह्यूमैनिटीज विंटर स्कूल

नई दिल्ली, 12 अगस्त (वेब वार्ता)। आईआईटी दिल्ली में डिजिटल ह्यूमैनिटीज विंटर स्कूल 2027 के तीसरे संस्करण का आयोजन जनवरी महीने में होगा। इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक उम्मीदवार 30 अगस्त तक आवेदन कर सकेंगे। कार्यक्रम में डिजिटल स्टोरीटेलिंग, इंटरैक्टिव नैरेटिव डिजाइन और कहानी आधारित डिजिटल शोध पर विशेष जोर रहेगा।

विंटर स्कूल की शुरूआत ऑनलाइन बूटकैंप पायथन और रेन पे से होगी। इसके बाद चार से नौ जनवरी 2027 तक आईआईटी दिल्ली परिसर में एक सप्ताह का ऑफलाइन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को इस तरह डिजाइन किया है कि कोडिंग का कोई पूर्व अनुभव नहीं रखने वाले प्रतिभागी भी डिजिटल तरीकों को सीख और रचनात्मक प्रयोग कर सकेंगे। चयनित प्रतिभागियों को डिजिटल ह्यूमैनिटीज के क्षेत्र में तकनीक और रचनात्मकता के बीच संबंधों को समझने का अवसर मिलेगा।

जंतर-मंतर प्रदर्शन मामले में पैलेट गन या प्रोजेक्टाइल चोट के 10 मामले सामने आए

नई दिल्ली, 12 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन या अन्य प्रोजेक्टाइल से घायल लोगों की संख्या पहले बताए गए पांच से बढ़कर कम से कम 10 हो गई है। अस्पतालों से मिले आरटीआई जवाबों में प्रोजेक्टाइल या ऐसी ही किसी अन्य वस्तु से चोट के कुल 10 मामले सामने आए हैं। इनमें लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एवं सुचेता कृपलानी अस्पताल में नौ और सफदरजंग अस्पताल में एक मामला दर्ज है। लेडी हार्डिंग अस्पताल के आरटीआई जवाब के अनुसार, 20 जुलाई को जंतर-मंतर क्षेत्र से जुड़े 81 लोगों का इलाज किया गया। इनमें 46 प्रदर्शनकारी और 35 पुलिसकर्मी थे।

अस्पताल के रिकॉर्ड में नौ लोगों को प्रोजेक्टाइल या ऐसी ही किसी अन्य वस्तु से चोट लगने की बात दर्ज है। इसके अलावा 14 लोगों को सिर और चेहरे पर चोट, पांच को फ्रैक्चर और 36 को कटने या अन्य चोट जैसी समस्याओं के लिए उपचार दिया गया।

यमुनापार में जगह-जगह तिरंगा कैंप, घर-घर पहुंच रहा राष्ट्रीय ध्वज

नई दिल्ली, 12 अगस्त (वेब वार्ता)। स्वतंत्रता दिवस को लेकर यमुनापार में तैयारियां तेज हो गई हैं। हर घर तिरंगा अभियान के तहत इलाके के अलग-अलग हिस्सों में निशुल्क तिरंगा वितरण कैंप लगाए जा रहे हैं। शाहदरा, कृष्णा नगर, विश्वास नगर, गांधीनगर, त्रिलोकपुरी, कोंडली, पटपड़गंज, मयूर विहार, लक्ष्मी नगर, मंडावली, भजनपुरा, घोंडा, करावल नगर, गोकलपुरी, बाबरपुर, सीलमपुर, वेलकम और सीमापुरी समेत कई इलाकों में स्थानीय स्तर पर लोगों को तिरंगे बांटे जा रहे हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर चौंकाने वाला मामला, यात्री के बैग से बरामद हुई खोपड़ी

नई दिल्ली (वेब वार्ता)

नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों ने बुधवार को विमान में चढ़ने से पहले की सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री के हैंड बैगेज के अंदर छिपाई गई एक खोपड़ी बरामद की है।

जानकारी के अनुसार यात्री को दिल्ली से हैदराबाद जाना था। सुरक्षा जांच के दौरान, सीआईएसएफ कर्मियों ने यात्री के हैंड बैगेज में छिपी एक संदिग्ध वस्तु देखी। पूछताछ करने पर, यात्री ने दावा किया कि बरामद वस्तु एक बंदर की खोपड़ी थी। वस्तु की प्रकृति और वन्यजीवों से उसके संभावित संबंध को देखते हुए, यात्री को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया।

इससे पहले, 24 जनवरी को दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब हवाई अड्डे के परिसर में एक बक्सा मिला जिसमें मानव कंकाल जैसा कुछ दिखाई दे रहा था। इस घटना के बाद सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया और दिल्ली पुलिस तथा अन्य सुरक्षा एजेंसियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और गहन जांच की। हालांकि, बाद की जांच में पता चला कि कंकाल असली नहीं था, बल्कि मेडिकल कॉलेजों में शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक मॉडल था।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, यह डिब्बा सुबह 9 बजे से 10 बजे के बीच एयरलाइन कार्यालय के पास प्रस्थान क्षेत्र में मिला था। पुलिस उपायुक्त (हवाई अड्डा) विचित्र वीर ने कहा, जांच के दौरान पता चला कि एक यात्री को उड़ान में डिब्बा ले जाने की अनुमति नहीं मिलने पर उसने इसे एयरलाइन कर्मचारियों के पास छोड़ दिया था। बाद में सफाई कर्मचारियों की नजर इस पर पड़ी, जिन्होंने डीआईएएल सुरक्षा को सूचित किया, जिसने स्थानीय पुलिस को सूचना दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया था कि कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली और स्थिति को स्थापित सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार संभाला गया। हालांकि, सभी प्रक्रियाओं का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कंकाल को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया था।

मेट्रो लाइन के पास पतंग उड़ाने से बचें, जानलेवा हो सकता है मांझा

नई दिल्ली, वेब वार्ता

स्वतंत्रता दिवस के आसपास दिल्ली-एनसीआर में पतंगबाजी का उत्साह बढ़ जाता है। ऐसे में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने लोगों से मेट्रो की एलिवेटेड लाइनों के आसपास पतंग नहीं उड़ाने की अपील की है। डीएमआरसी ने चेताया है कि मेट्रो की बिजली लाइनों के संपर्क में आने से हादसा जानलेवा हो सकता है। खासकर धातु वाले मांझे से पतंग उड़ाने वालों के लिए खतरा अधिक है।

डीएमआरसी के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में मेट्रो का नेटवर्क करीब 416 किलोमीटर लंबा है और इसका बड़ा हिस्सा एलिवेटेड है। मेट्रो ट्रेनों को बिजली देने के लिए पटरियों के समानांतर 25 हजार वोल्ट की ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) लाइनें लगी हैं। पतंग की डोर इन तारों में फंसने या चलती ट्रेन के पैंटोग्राफ में उलझने से ओएचई में ट्रिपिंग हो सकती है। इससे मेट्रो सेवा प्रभावित होने के साथ ट्रेन के पैंटोग्राफ और बिजली आपूर्ति व्यवस्था को भी नुकसान पहुंच सकता है।

डीएमआरसी ने कहा कि ओएचई के सीधे या अप्रत्यक्ष संपर्क में आने से व्यक्ति की जान भी जा सकती है। इसलिए लोगों को मेट्रो लाइनों से दूर खुले स्थानों पर ही पतंग उड़ाने की सलाह दी गई है। खासतौर पर रिहायशी इलाकों से गुजरने वाली एलिवेटेड मेट्रो लाइनों के आसपास पतंगबाजी से बचने को कहा गया है।

सतर्क रहने के निर्देश दिये गये हैं

यात्रियों की सुरक्षा और मेट्रो सेवाओं को निर्बाध बनाए रखने के लिए डीएमआरसी ने पतंग प्रभावित स्टेशनों के आसपास विशेष टीमें तैनात की हैं। ये टीमें मेट्रो लाइन के आसपास नजर आने वाली पतंग की डोर को तत्काल हटाने का काम करेंगी। साथ ही ट्रेन ऑपरेटरों और स्टेशन कर्मचारियों को भी इन दिनों अतिरिक्त सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली में 15 अगस्त को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

नई दिल्ली, 12 अगस्त (वेब वार्ता)। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस से पहले पूरी दिल्ली को हाई अलर्ट पर रखा गया है। सुरक्षा में कोई चूक न हो, इसके लिए दिल्ली पुलिस ने राजधानी में देर रात मेगा सुरक्षा अभियान चलाया। रात 11 बजे से 2 बजे तक दिल्ली के तमाम जिलों में गश्त के साथ सघन चेकिंग की गई।

द्वारका मोड़ पर पुलिसकर्मियों ने पूरी सतर्कता के साथ आधी रात को पेट्रोलिंग की। अधिकारियों ने गाड़ियों की सघन जांच की और हर गुजरने वाली कार की अंदर-बाहर से अच्छी तरह तलाशी ली गई। सिर्फ सुरक्षा जांच में पास होने वाली गाड़ियों को ही आगे जाने की इजाजत दी गई, ताकि हर नागरिक के लिए राष्ट्रीय उत्सव सुरक्षित और शांतिपूर्ण रहे।

इसी तरह उत्तम नगर में पुलिस टीमों ने आधी रात को जमीनी स्तर पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। इलाके की मुख्य सड़कों से गुजरने वाली हर गाड़ी को रोका गया और आगे बढ़ने की इजाजत से पहले उसकी बारीकी से जांच की गई। इस निगरानी का मकसद पूरे शहर में पूरी सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखना है। सीलमपुर इलाके में भी दिल्ली पुलिस ने अभियान चलाया। इस दौरान, संदिग्ध वाहनों और लोगों पर नजर रखी गई। सुरक्षा अभियान के तहत पुलिसकर्मियों को स्थानों पर तैनात किया गया। वहीं, पश्चिमी दिल्ली के मोती नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने पीकेट लगाकर आने-जाने वाले वाहनों की जांच की। इस दौरान संदिग्ध वाहनों और लोगों पर विशेष नजर रखी गई। अभियान की निगरानी के लिए डीसीपी वेस्ट हरेश्वर वी. स्वामी समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, 15 अगस्त से पहले राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को रोकने के लिए इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे। डीसीपी वेस्ट हरेश्वर वी. स्वामी ने कहा कि दिल्ली पुलिस आयुक्त की तरफ से दिशा निर्देश हैं कि राजधानी में गश्त होनी है। उन्हीं के निदेशानुसार पश्चिमी दिल्ली में पुलिसकर्मी बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे हैं।

तमाम जिलों में पुलिस ने की रातभर गश्त और चेकिंग

लाल किला ब्लास्ट केस

कोर्ट ने चार्जशीट में आरोपियों का ब्रीफ बैकग्राउंड उल्लेख करने का दिया निर्देश

दिल्ली के लाल किला ब्लास्ट मामले के पटियाला हाउस कोर्ट से राउज एवेन्यू कोर्ट में स्थानांतरण के बाद पहली बार सुनवाई हुई। अदालत ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से कहा कि चार्जशीट में सभी आरोपियों का एक ब्रीफ बैकग्राउंड (संक्षिप्त पृष्ठभूमि) का उल्लेख करना उचित होगा, जिससे साजिश में उनकी भूमिका का पता लगे।

नई दिल्ली, वेब वार्ता

अदालत ने रिकॉर्ड पर लिया कि एनआईए ने 14 मई 2026 को मुख्य आरोपपत्र दाखिल किया था, जिसके बाद पूरक आरोपपत्र भी दाखिल किया गया। अभी तक आरोपपत्र में दर्ज अपराधों का संज्ञान नहीं लिया गया है। आरोप पत्र पर 27 अगस्त को सुनवाई होगी। इस मामले में एक आरोपी डॉ. उमर उन नबी की मौत हो चुकी है। उमर उन नबी पर लाल किला इलाके में हुए कार धमाके से जुड़े होने का आरोप है। बताया गया है कि उमर उसी कार में मौजूद था, जिसमें विस्फोट हुआ था और धमाके में उसकी मौत हो गई थी। अदालत ने एनआईए को डॉ. उमर उन नबी की मौत की आधिकारिक पुष्टि से संबंधित डेथ सर्टिफिकेट, डेथ वेरिफिकेशन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। यह रिपोर्ट मिलने के बाद अदालत उनकी मृत्यु के कारण इस आरोपी के खिलाफ लंबित कार्यवाही को समाप्त करने के संबंध में स्पष्ट आदेश पारित करेगी।

पिछली अदालत ने अहलमद को मुख्य और पूरक आरोपपत्र की जांच कर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। मौजूदा अदालत ने अहलमद को उस आदेश का अनुपालन करने का निर्देश दिया। अदालत ने विशेष लोक अभियोजक को निर्देश दिया कि वह एक संक्षिप्त सारणी तैयार करें, जिसमें प्रत्येक आरोपी की भूमिका और उसके खिलाफ एनआईए द्वारा जुटाए गए साक्ष्यों का उल्लेख हो। इससे अदालत को आरोपपत्र पर संज्ञान के मुद्दे पर विचार करने में सुविधा होगी। अदालत ने यह भी नोट किया कि उकाशा, फैजल, आशिम और उस्मान के खिलाफ आगे की जांच लंबित है। एनआईए को रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया है कि इस लंबित जांच के बावजूद मामले में आगे की कार्यवाही की जा सकती है या नहीं।

लंबित आवेदनों को मुख्य मामले से अलग-अलग पंजीकृत कर अलग-अलग तारीखों पर सुनवाई के लिए रखा गया है, ताकि इन आवेदनों के कारण मुख्य मामले की कार्यवाही प्रभावित न हो और मामले का तेजी से निपटारा किया जा सके। आरोपी ए13 मुजफ्फर अहमद के खिलाफ ओपन-एंडेड गैर-जमानती वारंट जारी करने का आवेदन पहले ही मंजूर किया जा चुका है और इसकी अनुपालन रिपोर्ट भी दाखिल हो चुकी है। इस मामले की अगली सुनवाई 17 अगस्त को होगी। संरक्षित गवाह घोषित करने की मांग वाले आवेदन पर सुनवाई 24 अगस्त को होगी।

संज्ञान लेने के मुद्दे पर विचार करेगी

मामले के एक अन्य आरोपी ने अपने पिता से फोन पर बातचीत की सुविधा देने की मांग की है। जेल अधीक्षक को अदालत में मौजूद रहकर जेल में टेलीफोन सुविधा की उपलब्धता के बारे में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है। इस मामले की सुनवाई 19 अगस्त को होगी। एक अन्य आरोपी की ओर से फोन कॉल और ई-मुलाकात की सुविधा के लिए दाखिल आवेदन रिकॉर्ड में नहीं मिल रहा था। अदालत ने अहलमद को आवेदन तलाशकर उसे संबंधित तारीख पर अदालत के समक्ष रखने का निर्देश दिया। मुख्य मामले में अब 27 अगस्त को सुनवाई होगी। उस दिन अदालत एनआईए की चार्जशीट पर संज्ञान लेने के मुद्दे पर विचार करेगी।

क्राइम ब्रांच ने प्रतिबंधित चीनी मांझे को ले जा रहे तीन को किया गिरफ्तार, एक कार जब्त

नई दिल्ली, 12 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बुधवार को प्रतिबंधित चीनी/प्लास्टिक मांझे के अवैध भंडारण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से प्रतिबंधित मांझे की 1,398 रीलें और उसे ले जाने में इस्तेमाल की जा रही एक गाड़ी भी जब्त की।

कार्रवाई के बाद पुष्प विहार स्थित क्राइम ब्रांच थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223(बी) और पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 5/15 के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अब इस प्रतिबंधित सामग्री के स्रोत और सप्लाई नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, क्राइम ब्रांच की डब्ल्यूआर-1 यूनिट को प्रतिबंधित चीनी/प्लास्टिक मांझे की बड़ी खेप के परिवहन की विशेष सूचना मिली थी। इसके बाद यह अभियान चलाया गया।

एक विशेष टीम घोड़े वाला मंदिर के पास तय स्थान पर पहुंची। इसी दौरान ख्याला-पश्चिम विहार नाले की ओर से रघुबीर नगर की तरफ आती एक कार दिखाई दी। मुखबिर ने इसी कार में प्रतिबंधित मांझा होने की जानकारी दी। पुलिस टीम ने गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल के पास वाहन को रोक लिया और उसमें सवार तीन लोगों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान वाहन से कई प्लास्टिक बैग और गत्ते के डिब्बे बरामद हुए, जिनमें प्रतिबंधित चीनी/प्लास्टिक मांझा भरा हुआ था।

पुलिस ने कुल 1,398 रील प्रतिबंधित मांझा जब्त किया और सामग्री ले जाने में इस्तेमाल की गई रेनो ट्राइबर कार को भी कब्जे में ले लिया।

कबूतर मार्केट में छापेमारी, 863 पक्षी और जानवर कराए गए मुक्त, 431 संरक्षित पक्षी बरामद

नई दिल्ली, 12 अगस्त (वेब वार्ता)। जामा मस्जिद स्थित कबूतर मार्केट में अवैध वन्यजीव कारोबार के खिलाफ केंद्रीय जिले की पुलिस ने पीपल फॉर एनिमल्स (पीएफए), वर्ल्ड वाइड एनिमल और दिल्ली वन एवं वन्यजीव विभाग के साथ मिलकर संयुक्त छापेमारी की। विभिन्न पालतू जानवरों की दुकानों पर हुई कार्रवाई में कुल 863 पक्षी और जानवर बरामद/रेस्क्यू किए गए। इनमें 431 संरक्षित, प्रतिबंधित या शेड्यूल्ड पक्षी शामिल हैं। वहीं, 432 अन्य पक्षियों और जानवरों को भीड़भाड़, गंदगी और अमानवीय परिस्थितियों से मुक्त कराया गया।

पुलिस के अनुसार, नौ अगस्त पीएफए कबूतर मार्केट में संचालित कुछ पेट शॉप में संरक्षित पक्षियों और जानवरों की कथित अवैध बिक्री, कब्जे और उन्हें गैरकानूनी तरीके से रखने की सूचना मिली थी। इसके बाद पीएफए ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने वर्ल्ड वाइड एनिमल और दिल्ली के वन एवं वन्यजीव विभाग के अधिकारियों को साथ लेकर संयुक्त कार्रवाई की।

पुलिस टीम ने विभिन्न दुकानों की व्यवस्थित तरीके से जांच की। इस दौरान बड़ी संख्या में पक्षी और जानवर पिंजरों में बंद मिले। कई पिंजरे जरूरत से ज्यादा भरे हुए थे और वहां साफ-सफाई की भी उचित व्यवस्था नहीं थी। वन्यजीव विभाग और पशु कल्याण संगठनों की मदद से बरामद पक्षियों व जानवरों की पहचान कर उन्हें अलग-अलग किया गया। संरक्षित पक्षियों को संबंधित वन्यजीव अधिकारियों ने जब्त किया, जबकि क्रूरता और अनुचित परिस्थितियों में रखे गए अन्य पक्षियों और जानवरों को पीएफए की देखरेख में ले जाया गया। कार्रवाई में 72 प्लम हेडेड पैराकीट, 183 रिंग नेक पैराकीट, 63 एलेक्जेंड्राइन पैराकीट और 113 मुनिया पक्षी बरामद हुए। इनकी कुल संख्या 431 है। वर्ल्ड वाइड एनिमल ने दिल्ली वन एवं वन्यजीव विभाग के समन्वय से इन पक्षियों को जब्त किया।

जानवरों को कहां से लाया गया था

पुलिस ने बरामद पक्षियों और जानवरों के कब्जे अथवा नियंत्रण से जुड़े इकबाल खान, आकाश, कानी राम, मोहम्मद आदिल खान और राशिद खान की पहचान आरोपी के तौर पर की है। सभी कबूतर मार्केट, जामा मस्जिद के रहने वाले हैं। पांचों को कानून के तहत पाबंद किया गया है। पुलिस के मुताबिक, फिलहाल इनका कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड सत्यापित नहीं हुआ है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि संरक्षित पक्षियों और अन्य जानवरों को कहां से लाया गया था। आरोपितों से इनके खरीदने, रखने, बिक्री और परिवहन के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस सप्लायर, ट्रांसपोर्टर, बिक्री और वितरण में शामिल लोगों तथा इन पक्षियों के संभावित गंतव्य का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

आम आदमी पार्टी ने साइकिल खरीद में भ्रष्टाचार का लगाया आरोप, सरकार से जांच की मांग

नई दिल्ली, 12 अगस्त (वेब वार्ता)। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने दिल्ली सरकार पर छात्राओं को वितरित की गई साइकिलों की खरीद में कथित भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए मामले की जांच की मांग की।

आआपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में दो साइकिलें सामने रखकर उनके बीच गुणवत्ता और कीमत में कथित अंतर दिखाया। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार ने छात्राओं के लिए बड़ी संख्या में साइकिलें करीब 6,957 रुपये प्रति साइकिल की दर से खरीदीं, जबकि बाजार में इसी तरह की साइकिल करीब 4,200 रुपये में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जो साइकिल खरीदी है उसकी गुणवता में काफी कमी है।

दिल्ली अध्यक्ष ने दोनों साइकिलों के टायर, रिम, ब्रेक और क्रैंक समेत विभिन्न हिस्सों की तुलना की। पार्टी ने एक साइकिल मिस्त्री को बुलाकर दावा किया कि एक साइकिल में स्थानीय और हल्के पुर्जे हैं, जबकि दूसरी में बेहतर गुणवत्ता के टायर और धातु के ब्रेक लगे हैं। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि सरकारी खरीद में स्काइलर नाम का ब्रांड इस्तेमाल किया गया, जबकि उनके अनुसार हीरो साइकिल्स का इस नाम का पुराना मॉडल बंद हो चुका है। उन्होंने सरकार से दोनों साइकिलों की गुणवत्ता और टेंडर में निर्धारित तकनीकी विवरण की सार्वजनिक जांच कराने की मांग की।

विधायक संजीव झा ने कहा कि सरकार बार-बार खरीद प्रक्रिया के लिए सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेईएम) का हवाला दे रही है। उन्होंने कहा कि केवल जेईएम के माध्यम से खरीद होने से भ्रष्टाचार की संभावना समाप्त नहीं हो जाती। संजीव झा ने कहा कि पार्टी इस मामले को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और शिक्षा मंत्री आशीष सूद के सामने उठाएगी। उन्होंने मांग की कि सरकार दोनों साइकिलों को विशेषज्ञों के सामने रखकर उनकी गुणवत्ता, कीमत और टेंडर की शर्तों का मिलान कराए।

उन्होंने कहा कि सरकार ने मामले की जांच नहीं कराई तो पार्टी एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) में शिकायत करेगी। आआपा नेताओं ने सरकार से साइकिल खरीद मामले के साथ-साथ अस्पतालों में उपकरणों की खरीद और उपयोग से जुड़े आरोपों पर भी जांच कराने की मांग की।

महापौर ने रोहिणी में विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, क्षेत्रवासियों और जनप्रतिनिधियों के साथ निकाली तिरंगा यात्रा

दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने बुधवार को रोहिणी सेक्टर-8 क्षेत्र में आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आयोजित इस तिरंगा यात्रा में विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, क्षेत्रवासियों एवं जनप्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।

नई दिल्ली, वेब वार्ता

महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि तिरंगा केवल हमारे देश का राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि यह भारत की एकता, अखंडता, गौरव और हमारे वीर स्वतंत्रता सेनानियों एवं सैनिकों के बलिदान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा में शामिल होकर प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का स्मरण होता है।

उन्होंने कहा कि हाथों में तिरंगा और हृदय में भारत के प्रति गर्व यही भावना हमें अपने वीरों के बलिदान को सदैव याद रखने तथा राष्ट्रहित में अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने की प्रेरणा देती है। देश की एकता और अखंडता को मजबूत करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वाही ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर चलाया जा रहा हर घर तिरंगा अभियान देशवासियों में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को और मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील की कि वे इस अभियान से अधिक से अधिक संख्या में जुड़ें और स्वतंत्रता के इस महोत्सव को पूरे उत्साह, सम्मान एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाएं।

महापौर ने दिल्ली के सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराएं और हर घर तिरंगा अभियान का हिस्सा बनें। तिरंगा हमें अपने राष्ट्र के प्रति प्रेम, समर्पण और कर्तव्य का निरंतर स्मरण कराता है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव को बनाए रखने का संकल्प लिया।

दिल्ली में 1 जनवरी 2025 तक बनी झुग्गियों का होगा पुनर्वास, मिलेंगे पक्के मकान

नई दिल्ली, 12 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन मंगलवार को द्यदिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (संशोधन) विधेयक, 2026द्व पास हो गया। इसमें पुनर्वास के लिए पात्रता तिथि 1 जनवरी 2006 से बढ़ाकर 1 जनवरी 2025 की गई है। यह दिल्ली के अधिक से अधिक झुग्गीवासियों को पुनर्वास का लाभ देने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। दिल्ली के शहरी मंत्री आशीष सूद ने कहा कि अब जेजे बस्तियों में रहने वाले अधिक परिवारों को मिलेगा सम्मानजनक आवास और बेहतर भविष्य का अधिकार है।

संक्षिप्त वार्ता

निराश्रित गोवंश संरक्षण योजना की प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सीडीओ ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती नेहा ब्याडवाल की अध्यक्षता में निराश्रित गोवंश संरक्षण योजना के अंतर्गत संचालित व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मॉडल गौशाला, नन्दी गौशाला, सी.सी.टी.वी. कैमरा व्यवस्था तथा हरा चारा उत्पादन हेतु अतिरिक्त भूमि के चिन्हांकन सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा सात विकास खण्डों के खण्ड विकास अधिकारियों तथा उप मुख्य/पशु चिकित्सा अधिकारियों को नन्दी गौशाला में नर गोवंश की शिफ्टिंग कार्य में अपेक्षित प्रगति न होने पर चेतावनी देते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने नन्दी गो-आश्रय स्थलों की बाउंड्रीवाल को मनरेगा के अंतर्गत पूर्ण कराए जाने तथा बंद हो चुके गो-आश्रय स्थलों की उपलब्ध भूमि पर हरे चारे का उत्पादन कर निकटवर्ती गो-आश्रय स्थलों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही गौशालाओं में उपलब्ध भूमि का अधिकतम उपयोग करते हुए पर्याप्त मात्रा में हरा चारा उत्पादित करने पर विशेष बल दिया गया। बैठक में गौशालाओं से उत्पादित वर्मी कम्पोस्ट की पैकेजिंग कर किसानों को उचित एवं प्रतिस्पर्धी मूल्य पर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए, जिससे गौशालाओं की आय में वृद्धि के साथ-साथ जैविक खेती को भी प्रोत्साहन मिल सके।

प्लास्टिक मुक्त अभियान को लेकर ग्रामीणों ने निकाली जागरूकता रैली

वेबवार्ता/हरदोई। विकासखंड संडीला के ग्राम सुन्दरपुर में बुधवार को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम के तहत प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया गया। एचसीएल फाउंडेशन एवं एनआईडब्ल्यूसीवाईडी संस्था के सहयोग से आयोजित अभियान में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ गांव में साफ-सफाई बनाए रखने के लिए सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना रहा।

अभियान में महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। इस दौरान हाथों में स्वच्छता एवं जागरूकता संबंधी संदेश लिखी तख्तियां लेकर ग्रामीणों ने रैली निकाली और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। घर, गली, सड़क व सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई रखने तथा कूड़ा इधर-उधर न फेंकने का संदेश दिया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि स्वच्छ गांव का निर्माण केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और सामुदायिक सहभागिता मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। ग्रामीणों ने अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे अभियानों से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति व्यवहार परिवर्तन लाने और जनभागीदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी। स्वच्छ गांव की तैयारी, अब हम सबकी बारी के संदेश के साथ अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया गया।

ढ़ाई माह बाद विद्युत आपूर्ति बहाल होने पर गोपालपुरम धाम सोसाइटी ने केस्को एमडी का किया सम्मान

कानपुर। बीते ढ़ाई माह से गोपालपुर धाम सोसाइटी में बिजली आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित चल रही थी। निवसासियों ने अपनी समस्या के समाधान हेतु केस्को एमडी को प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया जिस पर केस्को प्रबंध निदेशक श्रीमती नेहा जैन ने 29 मई 2026 को मामले का संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए थे। उनके निर्देशों के परिणामस्वरूप मात्र 74 दिनों में गोपालपुरम धाम सोसाइटी में 20 परिवारों के घरों में विद्युत आपूर्ति प्रारंभ हो गई।

आपको बता दे कि गोपालपुरम धाम सोसाइटी, जरौली फेस-2 के लगभग 30 परिवार वर्ष 2022 से विद्युत पोल एवं विद्युत मीटर लगाए जाने की प्रतीक्षा कर रहे थे। विद्युत सुविधा न होने के कारण विशेष रूप से बच्चों की शिक्षा तथा भीषण गर्मी में परिवारों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। निवासियों द्वारा लंबे समय से चली आ रही समस्या के समाधान से उत्साहित होकर सोसाइटी के निवासियों ने बुधवार को केस्को प्रबंध निदेशक श्रीमती नेहा जैन का अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया तथा मिष्ठान खिलाकर हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर सीमा देवी, सज्जन सिंह रावत, विनोद कुमार (प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय चालक कर्मचारी संघ), मीरा यादव, अनिरुद्ध भदौरिया, कृष्ण कुमार शुक्ला, मोहन अग्निहोत्री सहित केस्को परिवार के विजय त्रिपाठी, विष्णु अवतार पांडे एवं अन्य निवासियों का सहयोग रहा।

संतोष मूरत सिंह शिवपुर विधानसभा से आजाद अधिकार सेना के प्रत्याशी घोषित

वाराणसी, 12 अगस्त (वेब वार्ता)। आजाद अधिकार सेना ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के लिए वाराणसी की 386-शिवपुर विधानसभा सीट से संतोष मूरत सिंह को अपना पहला प्रत्याशी घोषित किया है। पार्टी की केंद्रीय कार्यकारिणी के अनुमोदन के बाद राष्ट्रीय महासचिव डॉ. नूतन ठाकुर ने बुधवार को पत्र जारी कर इसकी घोषणा की। चोलापुर निवासी संतोष मूरत सिंह पिछले दो दशक से अधिक समय से सरकारी अभिलेखों में मृत घोषित किए जाने के बाद खुद को जीवित साबित करने के संघर्ष को लेकर चर्चा में हैं। सरकारी दस्तावेजों में मृत दर्ज होने के बाद वह तहसील से लेकर शासन-प्रशासन तक अपनी पहचान और जीवित होने का अधिकार प्रमाणित करने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं।

औरैया में 1800 छात्र-छात्राओं ने किया योगाभ्यास

औरैया, 12 अगस्त (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में तिलक इंटर कॉलेज में बुधवार को योग वैलनेस सेंटर की गतिविधियों के अंतर्गत सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 1800 छात्र-छात्राओं के साथ विद्यालय परिवार के सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वस्थ शरीर के महत्व से अवगत कराते हुए उनके सर्वांगीण विकास के लिए योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना रहा। योग प्रशिक्षक योगेंद्र कुमार मिश्र ने छात्र-छात्राओं को लंबी आयु तक सहज रूप से स्वस्थ रहने तथा शरीर के लचीलेपन को बनाए रखने के विभिन्न व्यवहारिक उपायों की जानकारी दी।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर योगी सरकार के मंत्रियों के लिए जिले आवंटित

लखनऊ, 12 अगस्त (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में भव्यता से स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री योगी समेत सरकार के सभी मंत्री शामिल होंगे। शासन से सभी जिलों को निर्देश दिया गया है कि भव्यता के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएं और समय से तैयारी कर ली जाए। मुख्यमंत्री उपमुख्यमंत्री, मंत्री, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार और राज्य मंत्रियों के जिले आवंटित कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य प्रयागराज में और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक लखनऊ में आयोजित समारोह में शामिल होंगे। कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, शाहजहांपुर में, मंत्री भूपेंद्र चौधरी मुरादाबाद, सूर्य प्रताप शाही देवरिया, स्वतंत्र देव सिंह गोरखपुर, बेबी रानी मौर्य आगरा, लक्ष्मी नारायण चौधरी मथुरा, जयवीर सिंह मैनपुरी, धर्मपाल सिंह बरेली, दारा सिंह चौहान आजमगढ़, सुनील कुमार शर्मा गाजियाबाद, अनिल कुमार बिजनौर, मनोज पांडेय रायबरेली में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

तिरंगे से सम्मान भी, महिलाओं को रोजगार भी

ललितपुर में हर घर तिरंगा बना आजीविका का नया जरिया

वेब वार्ता, आलोक चतुर्वेदी

237 महिलाओं ने संभाली तिरंगा निर्माण की जिम्मेदारी

ललितपुर में 72 स्वयं सहायता समूहों की 237 महिला सदस्यों द्वारा तिरंगा निर्माण का कार्य किया गया है। ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार किए गए इन तिरंगों के माध्यम से अभियान को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है। सरकार की यह पहल महज तिरंगा निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी बनाने और उनकी आय के नए साधन विकसित करने की सोच भी जुड़ी है। महिलाओं के हुनर को बाजार और सरकारी अभियानों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

ललितपुर। देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के साथ महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की सरकार की दूरदर्शी सोच का असर ललितपुर में हर घर तिरंगा अभियान-2026 में साफ दिखाई दे रहा है। इस बार तिरंगा केवल देश की आन-बान-शान का प्रतीक ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए आजीविका और अतिरिक्त आय का माध्यम भी बन रहा है।

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत जनपद में 11 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान के तहत विकासखंड एवं जनपद स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के निर्देश पर ग्रामीण क्षेत्रों में गठित स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों द्वारा बड़े पैमाने पर तिरंगा झंडों का निर्माण किया जा रहा है।

जनपद ललितपुर को मिशन मुख्यालय से 3.17 लाख तिरंगा झंडों के निर्माण का लक्ष्य मिला है।

स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे इन झंडों को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के सरकारी व गैर सरकारी भवनों, कार्यालयों, प्रतिष्ठानों और घरों में लगाया जाना है। इससे एक ओर जहां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले में देशभक्ति का वातावरण बनेगा, वहीं दूसरी ओर तिरंगा तैयार करने वाली महिलाओं को अतिरिक्त आमदनी का अवसर भी मिलेगा।

जिलाधिकारी महोदय के मार्गदर्शन में जिले में हर घर तिरंगा अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रखकर इसे जनभागीदारी, महिला सशक्तीकरण और स्थानीय आजीविका से जोड़ना सराहनीय पहल है।

तिरंगा बनाने वाली ग्रामीण महिलाओं के लिए यह अभियान गर्व के साथ अपनी मेहनत और हुनर को सामने लाने का अवसर भी है। एक ओर उनके हाथों से तैयार तिरंगा देश की शान बढ़ाएगा, तो दूसरी ओर उसी तिरंगे से होने वाली आय उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में योगदान देगी।

युवा दिवस के अवसर पर हरदोई में एचआईवी/एड्स जागरूकता अभियान का शुभारंभ

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। युवा दिवस के अवसर पर जनपद हरदोई में आज एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं युवाओं को एचआईवी संक्रमण से बचाव, जांच तथा उपचार के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से सघन एचआईवी/एड्स जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी महोदया नेहा ब्याडवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि युवाओं में एचआईवी/एड्स के संबंध में सही जानकारी एवं जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों एवं संस्थाओं से अपील की कि अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं तक पहुंच बनाकर उन्हें एचआईवी से बचाव, समय पर जांच एवं उपचार के प्रति जागरूक किया जाए।

जिला क्षय रोग अधिकारी/नोडल अधिकारी जिला एड्स डॉ नौमान उल्ला ने बताया कि अभियान के दौरान जनपद में विभिन्न स्थानों पर एचआईवी/एड्स से बचाव, सुरक्षित व्यवहार, समय पर एचआईवी जांच, उपचार की उपलब्धता तथा एचआईवी से जुड़े भ्रम एवं भेदभाव को समाप्त करने के संबंध में जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। एडिश्नल सीएमओ डॉ धीरेन्द्र सचान ने कहा कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, जिला एड्स नियंत्रण इकाई तथा संबंधित सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों द्वारा सक्रिय सहभागिता की गई। अभियान का उद्देश्य युवाओं को जागरूक करना एचआईवी संक्रमण की रोकथाम में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करना तथा एचआईवी मुक्त समाज के निर्माण में जनभागीदारी को बढ़ावा देना है।

एसपी संजीव बाजपेयी की साइबर अपराध पर सख्त नजर

कोतवाली पुलिस और साइबर सेल की त्वरित कार्रवाई से ऑनलाइन ठगी की पूरी रकम पीड़ित के खाते में लौटी

वेब वार्ता, आलोक चतुर्वेदी

ललितपुर। ऑनलाइन ठगी के बढ़ते मामलों के बीच ललितपुर पुलिस ने एक बार फिर अपनी तत्परता और प्रभावी साइबर कार्रवाई का परिचय देते हुए एक युवक के खाते से ठगी गई 1,27,501 रुपये की पूरी धनराशि वापस करा दी।

पुलिस की इस कार्रवाई से जहां पीड़ित को बड़ी राहत मिली, वहीं पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेयी के नेतृत्व में साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की भी सराहना हो रही है।

जानकारी के अनुसार बिदुआ कॉलोनी निवासी पवन पुत्र रविन्द्र के साथ ऑनलाइन माध्यम से कुल 1,27,501 रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी की गई थी। ठगी का शिकार होने के बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से दर्ज कराई।

शिकायत मिलते ही कोतवाली पुलिस और साइबर सेल सक्रिय हो गए। पुलिस टीम ने पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक स्टेटमेंट एवं अन्य दस्तावेजों का बारीकी से परीक्षण करते हुए तकनीकी विश्लेषण

किया। इसके बाद संबंधित बैंक, वित्तीय एजेंसियों एवं वॉलेट से संपर्क स्थापित कर आवश्यक पत्राचार और ई-मेल के माध्यम से कार्रवाई आगे बढ़ाई गई।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई के चलते ठगी की धनराशि को संबंधित स्तर पर होल्ड कराया गया। इसके बाद नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराते हुए पीड़ित के खाते में ठगी गई पूरी 1,27,501 रुपये की रकम वापस करा दी गई।

रकम वापस मिलने के बाद पीड़ित पवन ने पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेयी सहित कोतवाली पुलिस और साइबर सेल का आभार जताते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली की जमकर सराहना की। पीड़ित ने कहा कि पुलिस की तत्परता के चलते उसकी मेहनत की पूरी रकम वापस मिल सकी।

ललितपुर पुलिस की इस कार्रवाई से यह भी स्पष्ट होता है कि पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेयी के नेतृत्व में जिले में साइबर अपराधों को लेकर पुलिस गंभीरता से काम कर रही है। शिकायत प्राप्त होते ही त्वरित तकनीकी कार्रवाई और संबंधित वित्तीय संस्थाओं से समन्वय स्थापित कर ठगी की रकम को वापस कराने की दिशा में पुलिस द्वारा प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। धनराशि वापस कराने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अनुराग अवस्थी, कांस्टेबल लोकेन्द्र सिंह एवं साइबर सेल टीम शामिल रही।

भारत माता की जय के उदघोष से गूंजा कछौना-गौसगंज

तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

वेबवार्ता/हरदोई

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को कछौना और गौसगंज में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में तिरंगा थामे जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, प्रबुद्धजन, युवा और विद्यालयों के बच्चे राष्ट्रभक्ति के उत्साह के साथ यात्रा में शामिल हुए। भारत माता की जय और वंदे मातरम्‌के उद्घोष से पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

दोनों कार्यक्रमों में विधायक रामपाल वर्मा ने पहुंचकर लोगों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा वीर जवानों के बलिदान को स्मरण करने और देश की एकता व अखंडता के प्रति अपने संकल्प को दोहराने का अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए आगे आना चाहिए।

नगर अध्यक्ष राधारमण शुक्ला उर्फ पंकज ने अपनी पूरी टीम के साथ तिरंगा यात्रा में सहभागिता की। गौसगंज में मंडल गौसगंज के तत्वावधान में जंगली नाथ बाबा मंदिर से जूनियर हाईस्कूल गौसगंज

तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। वहीं कछौना में मंडल कछौना के अंतर्गत कछौना चौराहे से ब्लॉक संसाधन केंद्र स्थित शहीद स्तंभ तक यात्रा पहुंची, जहां शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया गया।

कछौना कस्बा राष्ट्रभक्ति के नारों और देशभक्ति गीतों से गुंजायमान रहा। युवाओं और बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। युवा नेता संचित अग्रवाल ने कहा कि तिरंगा यात्रा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, एकता और अखंडता के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से विकसित और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

तिरंगा यात्रा में विधान संयोजक बालामऊ अभय शंकर शुक्ला, अखिलेश कटियार, डॉ. शिवराज सिंह पटेल, जिला उपाध्यक्ष अजय शुक्ला, अतुल तिवारी, मंडल अध्यक्ष गौसगंज मदनपाल राठौर, प्रेम प्रकाश, संतराम वर्मा, पुष्पेंद्र तिवारी, रविश कुमार सिंह उर्फ टिंकू, साधन सहकारी समिति गौसगंज अध्यक्ष आनंद कुमार, प्रधान राजेश कुमार सिंह, पवन कुमार सिंह, अर्जुन वर्मा, पूर्व प्रधान सोने लाल गुप्ता, संतोष कश्यप, विनय शुक्ला, चेयरपर्सन क्रांतिवीर सिंह रैना, सद्दीक बीडीसी खजोहना, मंडल अध्यक्ष मयंक सिंह, विधायक पुत्र अर्जित वर्मा, प्रधान कप्तान, महामंत्री अरुण वर्मा, सुनील सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष नवीन पटेल, अनूप सिंह, सत्यम सिंह, अजय बाजपेई, ग्राम प्रधान रानू बाजपेई, प्रधान राजू गुप्ता सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

मिड-डे मील में अनियमितता पर दो शिक्षक निलंबित, बीईओ से जवाब तलब

हरदोई। प्राथमिक विद्यालय कोटरा में मिड-डे मील की गुणवत्ता और शैक्षिक व्यवस्था में खामियां मिलने के मामले में बेसिक शिक्षा विभाग ने कार्रवाई की है। वायरल वीडियो और शिकायतों के बाद हुई जांच में कमियां सामने आने पर इंचार्ज शिक्षक राजेश कुमार और सहायक अध्यापक विनोद कुमार को निलंबित कर दिया गया। वहीं पर्यवेक्षण में लापरवाही पर बीईओ अनिल कुमार झा को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

विद्यालय से वायरल वीडियो में बच्चों को जले हुए चावल, पतली दाल और आलू की सब्जी परोसे जाने का दावा किया गया था। तहरी में सोयाबीन की बड़ी नहीं दिए जाने की शिकायत भी सामने आई थी। वीडियो वायरल होने के बाद बीएसए प्रभात मिश्रा ने विद्यालय पहुंचकर मिड-डे मील, राशन वितरण और शैक्षिक व्यवस्था की जांच की। मां समूह के सदस्यों से भी जानकारी ली गई।

बीईओ अनिल कुमार झा ने बताया कि वह मौके पर जांच कर चुके हैं। वायरल वीडियो और प्रकरण की जांच रिपोर्ट जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को भेज दी गई है। आगे की कार्रवाई बीएसए स्तर से की जाएगी।

वर्षा के दौरान कर्मचारियों को मिलेगी सुविधा

वेब वार्ता, कमर खान

बलरामपुर। नगर पालिका परिषद बलरामपुर द्वारा वर्षा ऋतु में अपने दायित्वों का निर्वहन करने वाले कर्मचारियों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेनीकोट का वितरण किया गया। आदर्श नगर पालिका परिषद बलरामपुर के अध्यक्ष डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू एवं अधिशासी अधिकारी लाल चन्द्र मौर्य की उपस्थिति में नगर पालिका के कर्मचारियों को रेनीकोट प्रदान किए गए।

इस अवसर पर अध्यक्ष प्रतिनिधि डीपी सिंह बैस ने कहा कि नगर पालिका के कर्मचारी बारिश,गर्मी और अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों में भी नगर की सफाई, जल निकासी तथा अन्य आवश्यक सेवाओं को सुचारु बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्षा के दौरान कर्मचारियों को अपने कार्यों के निष्पादन में किसी प्रकार की परेशानी न हो,इसी उद्देश्य से उन्हें रेनीकोट वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नगर पालिका प्रशासन का प्रयास है कि कर्मचारियों को कार्यस्थल पर आवश्यक सुविधाएं एवं सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएं,जिससे वे पूरी तत्परता और सुरक्षित ढंग से अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें। वर्षा के मौसम में जलभराव,नालियों की सफाई,कूड़ा उठान एवं अन्य कार्यों के दौरान रेनीकोट कर्मचारियों के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने कर्मचारियों से कहा कि नागरिकों को बेहतर नगर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी कर्मचारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और बारिश के दौरान सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था पर विशेष ध्यान दें। इस दौरान कार्यालय अधीक्षक नरेंद्र कुमार,जेई जल धर्मेंद्र गौड़,राम नारायण यादव सहित नगर पालिका के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नगर मंडल एवं नगरपालिका की भव्य तिरंगा यात्रा में गूंजा राष्ट्रभक्ति का जयघोष

वेब वार्ता, कमर खान

बलरामपुर। भाजपा नगर मंडल एवं नगरपालिका बलरामपुर के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ बलरामपुर रेलवे स्टेशन मोड़ से हुआ,जो भगवतीगंज चौराहे तक निकाली गई। हाथों में तिरंगा लेकर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों एवं नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पूरे मार्ग पर भारत माता की जय और वंदे मातरम्‌के जयघोष से वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत रहा।

तिरंगा यात्रा का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्र,सदर विधायक पल्टूराम एवं नगरपालिका अध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने किया। यात्रा में शामिल लोगों ने देश की एकता,अखंडता और राष्ट्रप्रेम का संदेश देते हुए हाथों में तिरंगा लेकर नगर के प्रमुख मार्गों पर भ्रमण किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि तिरंगा केवल देश का राष्ट्रीय ध्वज ही नहीं,बल्कि भारत की

आन,बान और शान का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान देशवासियों में राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत करने वाला अभियान है। उन्होंने नागरिकों से अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने तथा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। तिरंगा यात्रा के दौरान कार्यकताओं एवं नगरवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। यात्रा के मार्ग में लोगों ने पुष्पवर्षा कर तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। युवाओं और कार्यकताओं ने देशभक्ति के नारों के साथ वातावरण को गुंजायमान कर दिया।

कार्यक्रम में अधिशासी अधिकारी लाल चन्द्र मौर्य,महंत गेल्हापुर,भाजपा जिला उपाध्यक्ष बृजेन्द्र तिवारी,आद्या सिंह पिंकी,संजय शुक्ल,डॉ.अजय सिंह पिंकू,बिन्दू विश्वकर्मा,डीपी सिंह बैस,अवधेश पाण्डेय,ललिता तिवारी,मंजू तिवारी, झूमा सिंह,सरिता शुक्ल,आनंद राज श्रीवास्तव,संजय शर्मा,रमेश पाहवा,डॉ.राकेश चन्द्र,गौरव मिश्र सहित भाजपा पदाधिकारी,कार्यकर्ता,नगरपालिका कर्मी एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

तिरंगा यात्रा ने नगर में राष्ट्रप्रेम, एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया तथा लोगों से देशहित में एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

चेतावनीः एथेनॉल के चक्कर में खाने के लाले न पड़ जाएं!

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की एथेनॉल-ब्लेंडेड फ्यूल नीति को लेकर कई प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने गंभीर चिंता व्यक्त की है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस नीति के कारण न केवल पर्यावरण और भूजल स्तर पर बुरा असर पड़ रहा है, बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा और कृषि व्यवस्था भी खतरे में पड़ सकती है। इसके अलावा, उपभोक्ताओं पर पड़ रहे आर्थिक बोझ का हवाला देते हुए एथेनॉल वाले पेट्रोल के दाम कम करने और ई20 फ्यूल के इस्तेमाल को बंद कर दोबारा ई10 पर लौटने की जोरदार मांग उठाई गई है।

हाल ही में आयोजित एक विशेष परिचर्चा में दिल्ली साइंस फोरम के वैज्ञानिक डी रघुनंदन, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय के पूर्व सचिव सिराज हुसैन और नीति आयोग के पूर्व सदस्य रमेश चंद ने इस नीति के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान में देश की कृषि भोजन-उन्मुख से बदलकर ईंधन-उन्मुख होती जा रही है, जो भविष्य के लिए चिंताजनक है। दिल्ली साइंस फोरम के डी रघुनंदन ने

उदाहरण देते हुए बताया कि एथेनॉल उत्पादन के लिए मक्के का भारी इस्तेमाल हो रहा है, जिसके चलते जो भारत कभी मक्के का बड़ा निर्यातक था, उसे आज अपनी घरेलू मांग पूरी करने के लिए आयात करना पड़ रहा है। उन्होंने इसे एक विघटनकारी नीति करार दिया जो पानी के अत्यधिक दोहन को बढ़ावा दे रही है।

नीति आयोग के पूर्व सदस्य रमेश चंद ने स्पष्ट किया कि सरकार ने चावल और चीनी के सरप्लस उत्पादन से निपटने के लिए इस नीति को बढ़ावा दिया था, क्योंकि एमएसपी पर खरीदी गई यह फसलें खुले बाजार में नहीं खप पा रही थीं। हालांकि, उन्होंने धान की खेती से अत्यधिक पानी की खपत को कम करने के लिए मक्के की खेती को अपनाने की जरूरत पर भी बल दिया। पूर्व सचिव सिराज हुसैन ने भारत की तुलना ब्राजील से करने को गलत बताया। उन्होंने कहा कि ब्राजील के पास प्रचुर भूमि और कम आबादी है, जबकि जलवायु परिवर्तन के कारण भविष्य में भारत के कृषि उत्पादन में गिरावट की आशंका है। विशेषज्ञों ने यह भी चेताया कि एथेनॉल-युक्त पेट्रोल से गाड़ियों का माइलेज घट रहा है और इंजनों के कलपुर्जे जल्दी खराब हो रहे हैं, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि पर्यावरण और उपभोक्ताओं के हित में इस नीति की समीक्षा की जानी चाहिए।

अवैध निर्माण और रिहायशी इलाकों में कारोबार पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली। देशभर में वर्षों से जारी अनधिकृत निर्माण और रिहायशी इलाकों में नियमों के विपरीत चल रही व्यावसायिक गतिविधियों पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है।

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और आर. महादेवन की पीठ ने दिल्ली, पटना, लखनऊ समेत अन्य शहरों में ऐसे मामलों की पहचान कर युद्धस्तर पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आदेश के बाद संबंधित शहरों में सीलिंग और अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई तेज होने की संभावना है।

पीठ ने कहा कि दिल्ली के होटल और लखनऊ के कोचिंग सेंटर में लगी आग में बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। अदालत ने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए भवन और अग्नि सुरक्षा से जुड़े नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है। दिल्ली में सर्वे में देरी पर अदालत ने नगर निकायों को फटकार लगाई। लाजपत नगर और सरोजनी नगर मार्केट में नियमों के उल्लंघन और संरचनाओं की मजबूती का आकलन करने के लिए अब तक सर्वे शुरू नहीं होने पर नाराजगी जताई गई। नौ जुलाई को अदालत ने आईआईटी दिल्ली के दो प्रोफेसरों समेत विशेषज्ञों की कमेटी बनाने का निर्देश दिया था, लेकिन इसका गठन नहीं किया गया।

पटना नगर निगम के नए हलफनामे के मुताबिक सर्वे में रिहायशी संपत्तियों के व्यावसायिक इस्तेमाल के 26,746 मामले सामने

दिल्ली-पटना-लखनऊ में युद्धस्तर पर कार्रवाई के आदेश

आए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह आंकड़ा नगर आयुक्तों की गंभीर लापरवाही दर्शाता है। अदालत के अनुसार, उसके हस्तक्षेप से पहले निगम को इतने बड़े पैमाने पर भवन नियमों के उल्लंघन की जानकारी तक नहीं थी। पूर्व नगर आयुक्त पराशर ने अपने हलफनामे में बताया कि उनके कार्यकाल में नियम उल्लंघन के करीब 500 मामले सामने आए। इनमें 81 में स्वतः संज्ञान लिया गया, 129 में आदेश पारित हुए और 397 से अधिक शिकायतों समेत अन्य मामलों में कार्रवाई की गई। अदालत ने करीब चार वर्ष के कार्यकाल के दौरान इन आंकड़ों को अपर्याप्त मानते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

लखनऊ में भी एलडीए को दिल्ली की तर्ज पर सर्वे कर अनधिकृत निर्माण और रिहायशी संपत्तियों में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों की पहचान करने का आदेश दिया गया है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने अदालत को बताया कि अब तक 51 संपत्तियों की पहचान की जा चुकी है और कार्रवाई शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि पूरे प्राधिकरण क्षेत्र में फॉलोअप अभियान युद्धस्तर पर चलाया जाएगा और इसे तीन सप्ताह में पूरा करने का लक्ष्य है।

क्या रुस के प्रस्ताव से कम हो जाएगा समुद्री जोखिम

नई दिल्ली। रूस ने भारत तक पहुंच बनाने के लिए एक नए रेल कॉरिडोर की संभावना पर विचार करने की बात कही है। प्रस्तावित रूट का उद्देश्य हिंद महासागर तक वैकल्पिक जमीनी कनेक्टिविटी विकसित करना है, ताकि होर्मुज और बोस्फोरस जैसे रणनीतिक समुद्री मार्गों पर निर्भरता कम हो। वैश्विक शिपिंग और ऊर्जा बाजारों पर बढ़ते दबाव के बीच यह विचार तब आया है, जब समुद्री मार्गों से जुड़े जोखिम बढ़े हैं। यहां सवाल यही है कि क्या इस प्रस्ताव से वाकई समुद्री जोखिम खत्म हो जाएगा क्या इस रास्ते के नए जोखिम खड़े नहीं होंगे? रूस के उप प्रधानमंत्री मराट खुसनुलिन ने कहा कि हिंद महासागर तक रेल लिंक की संभावना पर विचार होना चाहिए। उन्होंने बताया कि बोस्फोरस और होर्मुज जैसे समुद्री मार्गों से जुड़े जोखिम वैकल्पिक परिवहन मार्गों की आवश्यकता पैदा करते हैं।

आंतों के बैक्टीरिया बदलाव करके दवाओं को अधिक मात्रा में पहुंचा सकते हैं ट्यूमर तकः शोध

नई दिल्ली। अमेरिका में कैंसर पर शोध कर रहे वैज्ञानिकों ने एक नई तकनीक खोजी है, जिसके तहत कैंसर मरीजों के शरीर में मौजूद आंतों के बैक्टीरिया यानी गट माइक्रोबायोम में बदलाव करके कीमोथेरेपी की दवाओं को ट्यूमर तक अधिक मात्रा में पहुंचाया जा सकता है। कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कीमोथेरेपी की प्रभावशीलता को बढ़ाने की दिशा में वैज्ञानिकों को यह एक बड़ी सफलता मिली है। अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर के वैज्ञानिकों का कहना है कि वर्तमान में, कई प्रकार के कैंसर के इलाज में नैनोपार्टिकल-आधारित कीमोथेरेपी का उपयोग किया जाता है। इस विधि में, दवा को बेहद छोटे कणों में पैक करके शरीर में भेजा जाता है ताकि वह सीधे ट्यूमर कोशिकाओं तक पहुंच सके। हालांकि, इस प्रक्रिया में एक बड़ी चुनौती यह है कि दवा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा ट्यूमर तक पहुंचने से पहले ही

लिवर द्वारा साफ कर दिया जाता है। लिवर में मौजूद विशेष प्रतिरक्षा कोशिकाएं, जिन्हें कुप्फर सेल्स कहा जाता है, इन दवा कणों को खून से बहुत तेजी से हटा देती हैं। इस कारण से मरीज को दी गई दवा का पूरा लाभ नहीं मिल पाता और उपचार की प्रभावशीलता कम हो जाती है।

वैज्ञानिकों ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह प्रभाव एंटीबायोटिक की सीधी वजह से था या वास्तव में गट माइक्रोबायोम के बदलाव के कारण, फीकल माइक्रोबायोटा ट्रांसप्लांट (एफएमटी) का प्रयोग किया। इसमें एंटीबायोटिक दिए गए मॉडल के आंतों के बैक्टीरिया को दूसरे मॉडल में स्थानांतरित किया गया। खास बात यह रही कि दूसरे मॉडल में भी बिना एंटीबायोटिक दिए वही सकारात्मक परिणाम मिले, जिससे यह साबित हुआ कि असली बदलाव माइक्रोबायोम की वजह से हुआ, न कि दवा के सीधे प्रभाव से। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह खोज कैंसर के इलाज की सोच बदल सकती है। अब तक वैज्ञानिक केवल कीमोथेरेपी की दवा को बेहतर बनाने पर काम कर रहे थे, लेकिन यह अध्ययन बताता है कि मरीज के शरीर का माइक्रोबायोम भी उपचार में उतना ही महत्वपूर्ण है। फिलहाल यह रिसर्च प्रीक्लिनिकल स्तर पर हुई है और इसे सीधे मरीजों पर लागू नहीं किया जा सकता है।

...जीवित रहने की अवधि भी बढ़ी

शोधकर्ताओं ने इस पूरी प्रक्रिया में हमारी आंतों में रहने वाले बैक्टीरिया (गट माइक्रोबायोम) की अहम भूमिका को उजागर किया है। इन बैक्टीरिया द्वारा बाइल एसिड नामक रसायन बनाए जाते हैं, जो लिवर की कोशिकाओं को यह संकेत भेजते हैं कि वे दवा को कितनी तेजी से शरीर से साफ करें। इस नई रिसर्च के दौरान, वैज्ञानिकों ने मेट्रोनिडाजोल नामक एक सामान्य एंटीबायोटिक का सीमित समय के लिए उपयोग किया। इस एंटीबायोटिक के इस्तेमाल से कुछ खास तरह के बैक्टीरिया की संख्या कम हो गई, जिससे बाइल एसिड का स्तर भी घट गया। नतीजतन, लिवर की कुप्फर कोशिकाएं कम सक्रिय हो गईं और उन्होंने कीमोथेरेपी की दवा को पहले की तुलना में बहुत कम मात्रा में हटाया। इसका सीधा फायदा यह हुआ कि कीमोथेरेपी की दवा शरीर में लगभग दोगुने समय तक बनी रही। इससे दवा अधिक मात्रा में ट्यूमर तक पहुंच सकी, जिसके परिणामस्वरूप ट्यूमर की वृद्धि धीमी हुई और कोलन, ब्रेस्ट, मेलानोमा और पैंक्रियाटिक कैंसर जैसे कई कैंसर के प्रीक्लिनिकल मॉडलों में मरीजों के जीवित रहने की अवधि भी बढ़ी।

राम मंदिर दान चोरीः आरोपियों के करीबियों की संपत्तियां जांच के घेरे में

अयोध्या। राम मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी और आर्थिक अनियमितताओं की जांच अब आरोपियों के करीबियों की संपत्तियों तक पहुंच गई है।

अयोध्या पुलिस और एसआईटी ने लखनऊ में आरोपियों और उनके रिश्तेदारों की संपत्तियों का ब्योरा खंगालना शुरू कर दिया है। जांच के दायरे में आठ नामजद आरोपियों के साथ उनके 54 रिश्तेदार और करीबी भी शामिल हैं। इन सभी के नामों की सूची लखनऊ प्रशासन को भेजी गई है।

अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की ओर से जिलाधिकारी को भेजे पत्र में आरोपियों और उनके परिजनों के नाम पिछले दो वर्षों में दर्ज या नामांतरित कृषि-अकृषि भूमि और अन्य अचल संपत्तियों का विवरण मांगा गया है। पत्र के साथ क्षेत्राधिकारी अयोध्या की रिपोर्ट भी भेजी गई है, जिसमें आरोपियों और उनके करीबियों की संपत्तियों की जांच कराने का अनुरोध किया गया है। जांच केवल राजस्व रिकॉर्ड तक सीमित नहीं रहेगी। लखनऊ की तहसीलों के एसडीएम, संबंधित निबंधन कार्यालयों के सब-रजिस्ट्रार, एलडीए, नगर निगम और

आवास विकास परिषद के रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि पिछले दो वर्षों में सूची में शामिल लोगों ने जमीन, मकान, फ्लैट या अन्य अचल संपत्ति खरीदी, बेची या अपने नाम दर्ज कराई है या नहीं।

पुलिस अब कथित आर्थिक लेनदेन और संपत्तियों के बीच संभावित संबंध तलाश रही है। राजस्व और निबंधन रिकॉर्ड से यह पता लगाने की कोशिश होगी कि आरोपियों या उनके करीबियों की संपत्ति में इस दौरान असामान्य बढ़ोतरी हुई या नहीं। जांच एजेंसियों को आशंका है कि कथित गबन की रकम को अचल संपत्तियों में लगाया गया हो सकता है। मामले में भारतीय न्याय संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज है।

इस बीच आरोपी सुभाष श्रीवास्तव के बंद पेंशन खाते को लेकर भी न्यायालय ने विवेचक सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी को 13 अगस्त को व्यक्तिगत रूप से तलब किया है। कोर्ट ने बैंक खाते में आई धनराशि के सत्यापन से जुड़ी कार्रवाई पूरी कर विस्तृत आख्या पेश करने का निर्देश दिया है। सुभाष श्रीवास्तव की ओर से 18 जुलाई को बंद पेंशन खाते को खुलवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया था। विवेचक की रिपोर्ट में जेल भेजे जाने के बाद खाते में आई पेंशन राशि को जारी करने की बात कही गई थी। कोर्ट ने बहस के बाद 26 जून के बाद की पेंशन राशि अवमुक्त करने का आदेश दिया था। अब सत्यापन संबंधी रिपोर्ट पर स्पष्टीकरण के लिए विवेचक को अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

दिन-रात भौंकता था पड़ोसी का कुत्ता, अब सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

नई दिल्ली। वर्क फ्रॉम होम के दौरान लगातार शोर किसी के लिए भी परेशानी का कारण बन सकता है। ऐसा ही मामला एक शख्स के साथ सामने आया, जो पड़ोसी के कुत्ते के लगातार भौंकने से परेशान था। उसने अपनी समस्या को लेकर सोशल मीडिया पर अनुभव साझा किया, जिसके बाद लोग उसके तरीके और पड़ोसी के व्यवहार को लेकर अलग-अलग राय देने लगे।

शख्स के मुताबिक, उसके घर से करीब तीन मकान दूर रहने वाले पड़ोसी ने अपने कुत्ते को दिनभर बाहर जंजीर से बांधकर रखा था। मालिक के घर से बाहर जाते ही कुत्ता लगातार भौंकने लगता था और घंटों तक शांत नहीं होता था। वर्क फ्रॉम होम करने वाले शख्स के लिए इस तेज आवाज के बीच काम पर ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो गया। उसने पहले पड़ोसी के लेटरबॉक्स में एक नोट डालकर समस्या के बारे में बताया। जब इसका कोई असर नहीं हुआ तो उसने सीधे पड़ोसी से बात करने की कोशिश की। हालांकि, उसके मुताबिक पड़ोसी ने समस्या को गंभीरता से नहीं लिया और यह कहकर बात खत्म कर दी कि कुत्ते का भौंकना स्वाभाविक है।

इसके बाद परेशान शख्स ने पड़ोसी को रात के समय होने वाले शोर का अहसास कराने का फैसला किया। उसने ऐसा तरीका अपनाया जिससे पड़ोसी के घर के बाहर अचानक तेज आवाज होती थी। कुछ समय बाद उसने दोबारा ऐसा – किया। पड़ोसी घर से बाहर निकलकर आवाज का स्रोत तलाशता रहा, लेकिन उसे कुछ पता नहीं चला। इसके बाद शख्स ने एक और नोट छोड़कर संकेत दिया कि जब तक कुत्ते का लगातार भौंकना बंद नहीं होता, तब तक वह रात में पड़ोसी को इसी तरह परेशान करता रहेगा। उसके मुताबिक, इसके बाद कुत्ते का भौंकना काफी कम हो गया।

सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई। कुछ लोगों ने शख्स के तरीके को मजेदार और रचनात्मक बताया, जबकि कुछ ने कहा कि समस्या का समाधान इस तरह निकालना सही नहीं है।

मणिपुर के कांगपोकपी में नागा गांव पर हमला, नौ मकान जलाए

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में हथियारबंद बदमाशों ने एक नागा गांव पर हमला कर कई मकानों में आग लगा दी। सूत्रों के अनुसार, लियांगमाई नागा समुदाय के कम से कम नौ मकान पूरी तरह जलकर खाक हो गए। घटना मंगलवार रात करीब 9:30 बजे टोकपा लियांगमाई गांव में हुई।

टोकपा लियांगमाई गांव महिका और लोअर थानंबा गांवों के बीच स्थित है। देर रात हुए हमले में नौ मकानों के पूरी तरह जलने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, हमले के पीछे की परिस्थितियों और इसमें शामिल लोगों की पहचान तत्काल स्पष्ट नहीं हो सकी है।

ग्रामीणों में बढ़ी चिंता

घटना के बाद गांव में भय और चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की तत्काल जांच कराने और क्षेत्र में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

आधिकारिक बयान का इंतजार

बुधवार सुबह तक कांगपोकपी जिला प्रशासन, मणिपुर पुलिस या सुरक्षा बलों की ओर से घटना को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। यह भी स्पष्ट नहीं है कि हमले में किसी व्यक्ति की मौत या घायल होने की सूचना है या नहीं। मणिपुर के कई हिस्सों में पहले से जारी तनाव के बीच इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है। प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

भारत के स्क्रैप यार्ड में तोड़े जाएंगे दोनों तेल टैंकर

नई दिल्ली। वेनेजुएला के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई के दौरान जब्त किए गए दो बड़े तेल टैंकर अब भारत के स्क्रैप यार्ड में तोड़े जाएंगे। अमेरिकी सरकार ने इन दोनों प्रतिबंधित तेल टैंकरों को कबाड़ के तौर पर दुबई की एक जहाज रीसाइक्लिंग कंपनी को बेच दिया है। कंपनी ने पिछले महीने एक अज्ञात रकम में दोनों जहाज खरीदे हैं।

इन टैंकरों में ह्यएरा और लिलियो शामिल हैं। एरा पहले मैरिनेरा और ह्यबेला 1 के नाम से संचालित होती थी, जबकि लिलियो को पहले गैलीलियो और वेरोनिका के नाम से जाना जाता था। दोनों जहाजों को अब भारत लाकर स्क्रैप यार्ड में तोड़ने की तैयारी है। कंपनी के प्रमुख के मुताबिक, अमेरिकी सरकार ने दोनों जहाजों को अदालत के आदेश के तहत बेचा है। हालांकि, इस सौदे में कुछ

पेचीदगियां भी थीं। खास तौर पर जहाजों के पुराने मालिकाना हक को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं थी। अमेरिका ने जनवरी में एरा को आइसलैंड के दक्षिण में कब्जे में लिया था।

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, यह जहाज वेनेजुएला और ईरान से प्रतिबंधों के दायरे में आने वाला तेल ले जाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। इससे पहले जहाज कैरिबियन क्षेत्र में वेनेजुएला के तेल निर्यात को रोकने के लिए लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों से बच निकला था और कई हफ्तों तक उसका पीछा किया गया। इसके अलावा जनवरी में कैरिबियन सागर में एक अन्य रूसी झंडे वाले तेल टैंकर को भी जब्त किया गया था। बाद में इसका नाम लिलियो किया गया। इस जहाज पर भी रूस के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंध लागू थे। वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद कुल 10 तेल टैंकरों को जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई थी। विशेषज्ञों के मुताबिक, प्रतिबंधों से बचने के लिए ऐसे जहाज अक्सर अपना नाम, झंडा और मालिकाना ढांचा बदलते रहते हैं।

इंसान के डीएनए में मिले दो बिल्कुल अनजान पूर्वजों के निशान

इंसान के डीएनए में मिले दो बिल्कुल अनजान पूर्वजों के निशान

कैलिफोर्निया। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के रिसर्चर्स को इंसान के डीएनए में दो बिल्कुल नए और अनजान पूर्वजों के निशान मिले हैं, जिनके कोई फॉसिल या डीकोड किए गए डीएनए आज दुनिया में मौजूद नहीं हैं। इन रहस्यमयी पूर्वजों को वैज्ञानिक घोस्ट एंसेस्टर कह रहे हैं। यह महत्वपूर्ण खोज बताती है कि मानव विकास एक सीधी रेखा में नहीं हुआ, बल्कि यह एक बहुत जटिल नेटवर्क है जिसमें कई पुरानी प्रजातियों का आपस में मिलाप हुआ। इन प्राचीन समूहों के जेनेटिक अंश आज भी मॉडर्न इंसानों में मौजूद हैं, जो मानव विकास की पुरानी थ्योरी को एक नया मोड़ देते हैं।

होमो सेपियंस भले ही आज धरती पर अकेली मानव प्रजाति हो, लेकिन प्राचीन काल में हमने यह धरती निएंडरथल और डेनिसोवन जैसी कई अन्य होमिनिन प्रजातियों के साथ साझा की थी। पिछली स्टडीज ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मॉडर्न इंसानों ने इन प्रजातियों के साथ संबंध बनाए और बच्चे पैदा किए, जिसके आनुवंशिक निशान आज भी बहुत से लोगों के डीएनए में मिलते हैं। दीपक वर्मा बताते हैं कि यह नई स्टडी बताती है कि कम से कम दो और अनजान मानव समूह अस्तित्व में थे, जिन्होंने हमारे पूर्वजों को अपना डीएनए पास किया था।

डीएनए सीक्वेंसिंग जैसी आधुनिक

तकनीकों ने लाखों साल पुराने इतिहास को खोजना आसान कर दिया है। इसमें से एक अनजान पूर्वज ने अफ्रीका में मॉडर्न इंसानों के पूर्वजों के साथ संबंध बनाए थे, जो लगभग पचास हजार साल पहले हुआ था। यह घटना होमो सेपियंस के यूरोप और एशिया में बड़े माइग्रेशन से पहले की है। इस प्रजाति से मिले जींस आज सभी इंसानों के डीएनए का लगभग एक प्रतिशत हिस्सा हैं, जो निएंडरथल डीएनए के बराबर माना जाता है। रिसर्चर्स की गणना के अनुसार, यह रहस्यमय मानव प्रजाति लगभग आठ लाख साल पहले अलग हुई थी, ठीक उसी समय जब निएंडरथल और डेनिसोवन भी एक-दूसरे से अलग हुए थे। दूसरा पूर्वज, जिसे सुपर आर्कटिक पूर्वज का नाम दिया गया है, पहले वाले से भी ज्यादा रहस्यमय और पुराना है। यह मानव प्रजाति लगभग अठारह लाख साल पहले अन्य होमिनिन से अलग हुई थी। करीब दो लाख साल पहले यूरेशिया में इन्होंने डेनिसोवन प्रजाति के साथ संबंध बनाए, और इस रास्ते से प्राचीन डीएनए के कुछ हिस्से मॉडर्न इंसानों के जीनोम में हमेशा के लिए पहुंच गए। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया की प्रोफेसर प्रिया मूरजानी और जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के रिसर्चर अर्जुन बिडंडा सहित विशेषज्ञ बताते हैं कि मानव विकास एक सीधे पारिवारिक पेड़ जैसा नहीं है, बल्कि यह एक जटिल नेटवर्क है।

महत्वपूर्ण ख़बर

35 घटिया निर्माण कार्यों पर बड़ा एक्शन; 2 ठेकेदार ब्लैकलिस्ट, 3 को नोटिस

- भोपाल। लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए माह में दो बार निरीक्षण अभियान के तहत मुख्य अभियंताओं के दलों ने सीहोर, बालाघाट, ग्वालियर, झाबुआ, अनूपपुर, रतलाम एवं पन्ना जिलों में रेंडम आधार पर चयनित 35 निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण दलों से प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा मप्र सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक भरत यादव की अध्यक्षता में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई।

निरीक्षण में असंतोषजनक पाए गए कार्यों के लिए दो निर्माण एजेंसियों के विरुद्ध ब्लैकलिस्ट करने और तीन एजेंसियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

छोटे से 'देसी जुगाड़' ने बढ़ाई रफ्तार! रेलवे का नया प्रयोग

अब हादसों में भी खराब नहीं होंगे ट्रेन के इंजन

भोपाल। पश्चिम मध्य रेल ने ट्रेनों के इंजन को सुरक्षित रखने के लिए एक नया और आसान तरीका अपनाया है। रेलवे ने इंजन में लगे एयर ड्रायर को नुकसान से बचाने के लिए विशेष सेफ्टी प्लेट तैयार की है। अब तक यह प्लेट 178 लोकोमोटिव में लगाई जा चुकी है। दरअसल, इंजन के नीचे लगे एयर ड्रायर को कई बार पशु से टकराने या किसी अन्य बाहरी झटके से नुकसान पहुंचने का खतरा रहता था। इसके कारण एयर ड्रायर के साथ पाइप और बिजली की तारें भी खराब हो सकती थीं।

ऐसी स्थिति में इंजन को मरम्मत के लिए रोकना पड़ता था और इसमें समय लगता था। इस समस्या को देखते हुए रेलवे के इंजीनियरों ने 410420 मिलीमीटर की सेफ्टी प्लेट बनाई है। इसे इंजन के कैटल गार्ड पर लगाया गया है। इससे किसी बाहरी झटके की स्थिति में एयर ड्रायर को अतिरिक्त सहारा मिलेगा और उसके जरूरी हिस्से सुरक्षित रहेंगे।

यात्रियों को ऐसे मिलेगा फायदा

इस बदलाव से इंजन के खराब होने की संभावना कम होगी और मरम्मत में लगने वाला समय भी घटेगा। इसका फायदा यात्रियों को ट्रेन संचालन में मिलेगा। इंजन ज्यादा समय तक उपलब्ध रहने से ट्रेनों के समय पर और सुचारू संचालन में मदद मिलेगी। साथ ही रेलवे को बार-बार होने वाली मरम्मत पर समय और संसाधन कम खर्च करने पड़ेंगे। छोटे से तकनीकी बदलाव से रेलवे ने इंजन की सुरक्षा और ट्रेन संचालन को बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाया है।

24 सप्ताह तक का गर्भ समापन के लिए कोर्ट की मंजूरी की आवश्यकता नहीं

इंदौर। दुष्कर्म पीड़िताओं को 24 सप्ताह तक के गर्भ के गर्भपात के लिए अब कोर्ट की अनुमति की आवश्यकता नहीं रहेगी। दुष्कर्म पीड़िताओं को राहत देते हुए हाई कोर्ट ने मंगलवार इस संबंध में आदेश जारी किए।

न्यायमूर्ति संदीप भट्ट की कोर्ट ने दुष्कर्म पीड़िताओं के मामले में कहा कि अगर गर्भावस्था 24 सप्ताह या इससे कम है तो उन्हें गर्भ समाप्त करने के लिए हाई कोर्ट की अनुमति की आवश्यकता नहीं रहेगी। मेडिकल टर्मिनेशन आफ प्रेग्नेंसी एक्ट में निर्धारित शर्तें पूरी होने पर संबंधित डॉक्टर और अस्पताल कानून के दायरे में रहकर कार्रवाई कर सकते हैं।

हाई कोर्ट ने यह आदेश दुष्कर्म पीडिता बालिका की ओर से प्रस्तुत याचिका की सुनवाई करते हुए दिया। एडवोकेट आशीष चौबे ने बताया कि पीडिता को 12 सप्ताह का गर्भ है और वह गर्भ समाप्त कराना चाहती थी। कोर्ट ने प्रदेश के सभी अस्पतालों में हाई कोर्ट के आदेश की मंशानुसार व्यवस्था लागू करने के लिए प्रदेश के स्वास्थ्य कमिश्नर को आदेश जारी किए हैं।

कोर्ट ने यह भी कहा है कि इस बारे में पूर्व में हाई कोर्ट की युगलपीठ द्वारा जारी आदेशों का पालन किया जाए। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि गर्भावस्था 24 सप्ताह या इससे कम है तो एमटीपी एक्ट के प्रविधान लागू होते हैं तो ऐसी स्थिति में न्यायिक कार्यवाही की आवश्यकता नहीं है।

इंदौर हाई कोर्ट ने जारी किए आदेश

वर्षभर पहले हो चुके आदेश

हाई कोर्ट के मंगलवार को जारी आदेश में कहा है कि हाई कोर्ट की जबलपुर मुख्यपीठ की युगलपीठ ने 20 फरवरी 2025 को फैसला दिया था, जिसमें कहा था कि दुष्कर्म, यौन हमला की पीडिता की गर्भावस्था 20 सप्ताह तक हो तो एक पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर और 20 से अधिक लेकिन 24 सप्ताह तक हो तो दो पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर्स की राय के आधार पर गर्भ समापन किया जा सकता है। इसके लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर करने की जरूरत नहीं है। युगलपीठ ने एमटीपी एक्ट की धारा 3 की व्याख्या करते हुए कहा था कि यदि गर्भावस्था दुष्कर्म के कारण हुई है तो उससे होने वाली पीडा को महिला के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर चोट माना जाएगा। वहीं नियम 3-बी में दुष्कर्म, यौन हमला या इन्सेस्ट की पीडिताओ को 24 सप्ताह तक गर्भ समापन के लिए पात्र श्रेणी में रखा गया है।

एमपी हाईकोर्ट ने कहा- कोई जानबूझकर जानकारी छिपाता है तो यह भी अपराध की श्रेणी में आ सकता है

ग्वालियर। लापता युवक को बरामद कर हाई कोर्ट के समक्ष पेश करने की मांग को लेकर दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने सख्त टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति पुलिस को जरूरी जानकारी देने के लिए बाध्य है और जानबूझकर जानकारी छिपाता है तो उसका यह कृत्य भी अपराध की श्रेणी में आ सकता है।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ में न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया और न्यायमूर्ति अनुराधा शुक्ला की पीठ ने यह टिप्पणी 11 अगस्त 2026 को राधा प्रजापति की याचिका की सुनवाई के दौरान की। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि इस मामले के प्रतिवादी को लापता युवक के ठिकाने की जानकारी है। युवक उसका पोता है, लेकिन वह पुलिस के साथ सहयोग नहीं कर रहा है। वहीं प्रतिवादी की ओर से अधिवक्ता ने इसका विरोध करते हुए कहा कि याचिका में कई महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया गया है। उनके अनुसार प्रतिवादी द्वारा पहले ही गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी और पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उस युवती के बयान भी दर्ज किए हैं, जिसके साथ युवक रह रहा है।

बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का रूप दिया गया

प्रतिवादी की ओर से यह भी कहा गया कि वास्तविक विवाद वैवाहिक प्रकृति का है, जिसे बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का रूप दे दिया गया है। हालांकि, प्रतिवादी ने युवक के वर्तमान ठिकाने की जानकारी होने से मना किया। कोर्ट ने कहा कि प्रतिवादी को युवक के ठिकाने की जानकारी है या नहीं और वह पुलिस से सहयोग कर रहा है या नहीं, इस पर युवक के बरामद होने के बाद विचार किया जाएगा। सरकार की ओर से बताया गया कि मिले सुराग के आधार पर पुलिस टीम उस शहर के लिए रवाना हो चुकी है, जहां युवक के होने की जानकारी मिली है। पुलिस को उम्मीद है कि तीन दिन के भीतर युवक को बरामद कर कोर्ट के समक्ष पेश कर दिया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 14 अगस्त 2026 को होगी।

दीप्ति गौड़ मुखर्जी बनीं नई उच्च शिक्षा सचिव, पल्लवी जैन गोविल को भी बड़ी जिम्मेदारी

भोपाल । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार में मध्य प्रदेश संवर्ग की 1993 बैच की महिला आईएएस अधिकारी दीप्ति गौड़ मुखर्जी को उच्च शिक्षा सचिव बनाई गई है। इससे पहले वह कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय में सचिव के रूप में कार्यरत थीं। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने अपने 23 जुलाई के आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए दीप्ति मुखर्जी को नया उच्च शिक्षा सचिव नियुक्त करने की मंजूरी दी है। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने 10 अगस्त को इसका आदेश भी जारी किया है। मुखर्जी की नियुक्ति विनीत जोशी की जगह की गई है।

एमपी में स्वतंत्रता दिवस पर पहली बार होगा वंदे मातरम का गरिमापूर्ण गायन, कैबिनेट मीटिंग से पहले बोले सीएम मोहन यादव

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 15 अगस्त को देश अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है। इस अवसर पर पहली बार राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम् का गरिमापूर्ण गायन होगा, अब तक यह व्यवस्था नहीं थी। प्रभारी मंत्री अपने जिलों में हुए विकास कार्यों की जानकारी देंगे। देश विभाजन की विभीषिका के संदर्भ में 14 अगस्त को विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस मनाया जाएगा। देश विभाजन का दंश झेलने वाले व अपने प्राण गंवाने वालों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इसमें सभी मंत्री कार्यक्रम में सक्रिय रूप से सहभागिता करें। यह बात मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने मंत्रालय में मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक से पहले कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के वेब पोर्टल को देश में प्रथम पुरस्कार मिलने पर बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत रविदास के 650वें जयंती वर्ष में मप्र में 18 अगस्त से प्रदेशस्तरीय समरसता अभियान का शुभारंभ होगा। सभी मंत्री 20 अगस्त को अपने जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। समरसता कलश रथ यात्रा प्रदेश के प्रत्येक जिले में पहुंचेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन के क्षेत्र में क्रांतिकारी

शुरूआत करते हुए प्रत्येक शुक्रवार को जनविश्वास अभियान के तहत अधिकारी फील्ड में जनता से सीधे जुड़ कर शिकायतों का समाधान करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस के 27 हजार 500 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिला है। इसमें 12 हजार 928 प्रधान आरक्षक शामिल हैं। राज्य सरकार ने वर्ष 2023 से लेकर अब तक पुलिस विभाग में नई नियुक्तियों के लिए 25 हजार से अधिक पद स्वीकृत किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष 2026 में प्रदेश के प्रत्येक जिले में पिछली 15 जुलाई से अब तक 13 बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किए जा चुके हैं। सभी मंत्री भी कृषि महोत्सव में शामिल हों।

अब मप्र से दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित की जाएंगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल-रीवा, भोपाल-पटना, जबलपुर-कोलकाता, रीवा-कोलकाता के बीच नए रूट आरंभ हुए हैं। दो माह बाद भोपाल से सीधे शरजाह के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू की जाएगी। इससे पहले इंदौर से अबुधाबी के लिए विमान सेवा प्रारंभ हो चुकी है। अब मप्र से दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित की जाएंगी। प्रदेश में ब्रिटिश शासन के दौरान चार एयरपोर्ट क्रमशः 1930 में जबलपुर, 1933 में ग्वालियर, 1940 में भोपाल और 1948 में इंदौर शुरू किए गए।

आजादी के बाद तत्कालीन सरकार ने हवाई सेवाओं के विस्तार पर ध्यान नहीं दिया। वर्तमान सरकार में वर्ष 2024 में प्रदेश में तीन नए एयरपोर्ट, दतिया, रीवा और सतना का लोकार्पण हुआ। दो नए एयरपोर्ट उज्जैन और शिवपुरी में बनाए जाने के लिए स्वीकृति मिल चुकी है।

ऑनलाइन या ऑफलाइन बनवा सकते हैं जाति और मूल निवासी प्रमाण पत्र

इंदौर : मध्य प्रदेश में जाति, मूलनिवासी और आय प्रमाण पत्र की प्रक्रिया को आसान कर दिया गया है। आवेदक एमपी ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर ऑनलाइन या लोक सेवा केंद्र पर ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के बाद संबंधित अधिकारी कागजों की जांच करने के बाद तय सीमा में डिजिटल प्रमाण पत्र जारी कर देते हैं। पढ़ाई, सरकारी नौकरी और कल्याणकारी योजनाओं के लिए यह दस्तावेज महत्वपूर्ण होते हैं। जाति प्रमाण पत्र ओबीसी, एससी और एसटी के लिए जारी किया जाता है। यह बात अमोघ श्रीवास्तव, जिला प्रबंधक, लोक सेवा प्रबंधन इंदौर ने हेलो नईदुनिया कार्यक्रम में पाठकों के सवालों के जवाब देते हुए कही। उन्होंने कहा कि आवेदन के समय समग्र आईडी, आधार कार्ड और परिवार के सदस्यों का पूर्व में जारी जाति प्रमाण पत्र या पूर्व में प्रदेश में रहने का रिकॉर्ड देना अनिवार्य है। इसमें एसी एवं एसटी वर्ग के आवेदकों को 1950 का रिकॉर्ड और ओबीसी के लिए 1984 का रिकॉर्ड देना अनिवार्य है। जाति प्रमाण पत्र 30 कार्य दिवस के भीतर जारी हो जाता है। मध्य प्रदेश का मूल निवासी प्रमाण पत्र यह प्रमाणित करता है कि आवेदक राज्य का स्थायी निवासी है। इसके लिए आनलाइन और आफलाइन दोनों तरह से आवेदन किए जा सकते हैं। आधार कार्ड, समग्र आईडी और एक स्व-घोषणा पत्र देना होता है। सात दिन में दस्तावेज बनाने की समय सीमा है। आय प्रमाण पत्र के लिए आधार, समग्र आईडी और आय का स्व-प्रमाणित घोषणा पत्र देना होता है।

इंदौर सहित प्रदेश के सभी जिलों में मध्यम से भारी बारिश होने के आसार

इस सीजन में अब तक 16 इंच बरसे बादल

इंदौर। मंगलवार को शहर में दिनभर बादल छाए और सुबह शहर के कुछ हिस्सों में रिमझिम वर्षा तक कुछ इलाकों में थोड़ी देर के लिए बौछारें पड़ी। इंदौर में बुधवार सुबह मध्यम से भारी वर्षा की संभावना जताई गई है।

मंगलवार को एयरपोर्ट क्षेत्र में शाम 5.30 बजे तक 1.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई। वही बीते 24 घंटे में 12.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इंदौर शहर में इस मानसून सीजन में अब तक 417.2 मिमी वर्षा दर्ज हुई जो अब तक के औसत से 136.7 मिमी कम है।

भोपाल स्थित मौसम केंद्र के विज्ञानियों के मुताबिक वर्तमान में एक कम दबाव का क्षेत्र उत्तर पश्चिम मप्र के आसपास बना हुआ है।

वही एक द्रोणिका बीकानेर से कम दबाव के क्षेत्र से होते हुए सीधी, रांची, दीघा व पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। मंगलवार को शहर में बादल छाए और सुबह शहर के कुछ हिस्सों में हल्की वर्षा तो कुछ जगह रिमझिम वर्षा हुई। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक बुधवार को शहर में बादल छाएंगे और मध्यम स्तर की वर्षा होने की संभावना है। दिन व रात का तापमान सामान्य के आसपास रहेगा।

वहीं एक पश्चिमी विक्षोभ जम्मू कश्मीर के ऊपर बना बना है। एक ऊपरी हवा का चक्रवात उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर बना है। यह आगे जाकर कम दबाव के क्षेत्र में तब्दील होगा। इसके प्रभाव से बुधवार को इंदौर में जहां मध्यम स्तर की वर्षा होगी। वहीं इंदौर संभाग के इंदौर, खंडवा, धार, खरगोन बड़वानी, आलीराजपुर व उज्जैन जिले में भारी वर्षा होने की संभावना है। इंदौर में बुधवार के बाद हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

28 अगस्त को रक्षाबंधन, राखी से पहले जबलपुर के गढ़ा डाकघर में खत्म हुए विशेष लिफाफे

जबलपुर । रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक है और बहनों ने भाइयों तक राखी पहुंचाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी बीच गढ़ा पोस्ट आफिस में राखी भेजने के लिए इस्तेमाल होने वाले विशेष लिफाफे खत्म हो गए हैं। मंगलवार को डाकघर पहुंचे लोगों को लिफाफे उपलब्ध नहीं हो सके। राखी का पर्व 28 अगस्त को मनाया जाना है।

राखी भेजने के लिए डाक सेवा का सहारा लेती हैं

ऐसे में दूसरे शहरों और दूर-दराज क्षेत्रों में रहने वाले भाइयों को राखी भेजने के लिए डाक सेवा का सहारा लेने वाले लोगों की संख्या आने वाले दिनों में बढ़ने की संभावना है। लेकिन त्योहार से करीब ढाई सप्ताह पहले ही विशेष लिफाफों का स्टाक खत्म होने से डाक विभाग की तैयारियों पर सवाल उठ रहे हैं।

सामान्य लिफाफों का इस्तेमाल करना पड़ेगा

लोगों का कहना है कि रक्षाबंधन के दौरान विशेष लिफाफों की मांग हर साल बढ़ती है। इसके बावजूद समय रहते पर्याप्त संख्या में लिफाफे उपलब्ध नहीं कराए गए। यदि जल्द ही इनकी आपूर्ति नहीं हुई तो लोगों को राखी भेजने के लिए सामान्य लिफाफों का इस्तेमाल करना पड़ेगा।

विशेष लिफाफे उपलब्ध कराए जाएं

स्थानीय लोगों ने डाक विभाग से मांग की है कि गढ़ा डाकघर में तत्काल राखी के विशेष लिफाफे उपलब्ध कराए जाएं, ताकि त्योहार के पहले बहनों को राखी भेजने में परेशानी न हो।

ग्वालियर में हुई जनसुनवाई में ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर पहुंचा युवक, कहा-हादसे में झुलसे पिता; एफआईआर नहीं तो यहीं लिटा दूंगा

ग्वालियर। बिजली सुधार कार्य के दौरान गंभीर रूप से झुलसे लाइनमैन हरिओम शर्मा को न्याय दिलाने के लिए उनका बेटा हिमांशु शर्मा मंगलवार को ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर एसपी कार्यालय की जनसुनवाई में पहुंच गया।

बेटे का कहना है कि हादसे को करीब चार महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। उसका आरोप है कि वह कई बार पुलिस अधिकारियों के समक्ष शिकायत कर चुका है, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। हिमांशु का कहना है कि गंभीर रूप से झुलसे उसके पिता को लगातार ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है। इसके बावजूद परिवार को न्याय के लिए थाने और पुलिस अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उसने चेतावनी दी कि यदि अब भी शिकायत पर कार्रवाई नहीं हुई तो वह पिता हरिओम शर्मा को ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ सीधे एसपी कार्यालय लाकर लिटा देगा। जनसुनवाई में पहुंचने पर कार्यालय के बाहर सुरक्षाकर्मियों ने युवक से ऑक्सीजन सिलेंडर ले लिया और उसे जनसुनवाई में भेजा।

ड्यूटी के दौरान हुआ था

इन अधिकारियों-कर्मचारियों पर लगाए आरोप

परिवार ने बिजली विभाग के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों पर सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही के आरोप लगाए हैं। इनमें एसटीएम की उपमहाप्रबंधक प्रीति बरैया, बिरला नगर जोन के प्रबंधक रोहित सिंह, एसटीसी के सहायक प्रबंधक शशांक कुलश्रेष्ठ और सब-स्टेशन ऑपरेटर मोहसिन बेग के नाम शामिल हैं। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

हादसा

स्वजन के अनुसार 28 अप्रैल 2026 को हजीरा थाना क्षेत्र के बिरला नगर स्थित खाटू श्याम मंदिर के पास लाइन नंबर-1 पर विद्युत सुधार कार्य के दौरान हरिओम शर्मा गंभीर हादसे का शिकार हो गए थे। हादसे में वह बुरी तरह झुलस गए थे। परिवार का आरोप है कि बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की कथित लापरवाही तथा सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण यह हादसा हुआ। हादसे के बाद से हरिओम शर्मा की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें लगातार ऑक्सीजन सपोर्ट की आवश्यकता पड़ रही है। परिवार का कहना है कि पिता के इलाज और उनकी देखभाल के साथ-साथ अब बेटे को पुलिस से एफआईआर दर्ज कराने के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है।

दो बार आवेदन देने का दावा

हिमांशु के मुताबिक वह हजीरा थाना पुलिस और पुलिस अधिकारियों को दो बार आवेदन दे चुका है। इसके बावजूद मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की गई। उसका कहना है कि पिता की हालत लगातार गंभीर है और वह ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर कई अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगा चुका है। अब वह इस मामले में जल्द कार्रवाई चाहता है।

इंग्लैंड में फिर हारने पहुंची पाकिस्तान टीम!

इंग्लैंड। पाकिस्तान क्रिकेट टीम इस वक्त इंग्लैंड दौरे पर है. दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाने वाली है, जिसका पहला मुकाबला लीड्स में खेला जाएगा. ये सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है. ऐसे में दोनों ही टीमें बेस्ट प्रदर्शन करके अंक हासिल करना चाहेंगी. इस बात में कोई शक नहीं है कि इस सीरीज में मेजबानों को फेवरेट माना जा रहा है, क्योंकि पिछली बार पाकिस्तान ने इंग्लैंड में 1996 में टेस्ट सीरीज जीती थी. हालांकि, पाकिस्तान पुराने रिकॉर्डस को भुलाकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी. ऐसे में पाकिस्तान-इंग्लैंड के बीच कांटे की टक्कर वाला मैच देखने को मिलेगा. तो आइए जान लेते हैं कि भारतीय फैंस किस चैनल पर इस मुकाबले को देख सकेंगे.

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच खेली जाने वाली 3 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स में खेला जाएगा. ये मैच लोकल टाइमजोन के हिसाब से सुबह 11 बजे शुरू होगा, जबकि भारतीय समयानुसार ये मुकाबला दोपहर 3.30 बजे से शुरू होगा, जिसमें टॉस के लिए दोनों कप्तान 3 बजे मैदान पर उतरेंगे.

19 अगस्त से इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच पहला टेस्ट मैच शुरू होगा. इस मैच पर भारतीय फैंस की भी नजरें होंगी. ऐसे में भारतीय फैंस अगर इस मैच को टीवी पर देखना चाहते हैं, तो उन्हें सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर जाना होगा. वहीं, इसकी लाइव स्ट्रीमिंग सोनीलिव पर आएगी. मगर, इसके लिए आपके पास इस ऐप का सब्सक्रिप्शन होना जरूरी है.

टीम इंडिया की प्लेइंग-11 में किन 4 स्पिनर्स में से 3 को मिलेगी जगह

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज 15 से 27 अगस्त तक खेली जाने वाली है. इसके लिए इंडियन क्रिकेट टीम शुभमन गिल की कप्तानी में पूरी तरह से तैयार है. श्रीलंका इलेवन के साथ भारत ने 3 दिनों का अभ्यास मैच भी खेला. इस वॉर्म-अप मैच में भारत के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया.

टीम इंडिया के स्पिन और तेज गेंजबाजों ने खुद को श्रीलंका की पिचों पर साबित किया. अब भारत के स्क्वाड में शामिल 8 गेंदबाजों में किन 5 गेंदबाजों को मौका मिलेगा और 4 स्पिन बॉलर्स में से कौन से 3 प्लेइंग-11 में जगह बनाएंगे. आइए आज इस बारे में जानते हैं.

दरअसल, भारत औ श्रीलंका के बीच 15 से लेकर 19 अगस्त तक गाले इंटरनेशन स्टेडियम में पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा. इस मैच में स्पिन बॉलिंग ऑप्शन के लिए भारत के पास रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार और सारांश जैन मौजूद हैं. जडेजा और सुथार दोनों बाएं हाथ के गेंदबाज हैं, वहीं कुलदीप चाइनामैन गेंदबाज हैं. सारांश एक मात्र दाएं हाथ के ऑफ स्पिन गेंदबाज हैं. इन 4 में से किन 3 को मौका मिलेगा. आइए इस बारे में जानते हैं.

इन 2 तेज गेंदबाजों को प्लेइंग-11 में किया जाएगा शामिल

भारत और श्रीलंका के बीच होने वाले पहले टेस्ट मैच में सिर्फ 2 तेज गेंदबाजों को खिलाया जा सकता है. क्योंकि श्रीलंका में धीमी विकेट हैं, जिन पर स्पिन गेंदबाजों को अधिक मदद मिलती है. ऐसा ही अभ्यास मैच में देखा गया. ऐसे में मोहम्मद सिराज टीम इंडिया की पहली पसंद होंगे. उनके पास रेड बॉल क्रिकेट का काफी अनुभव है. वहीं दूसरे पेसर के लिए प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ में जंग होगी. गुरनूर ने वॉर्म-अप मैच में अच्छा प्रदर्शन किया. ऐसे में उनको प्लेइंग-11 में चांस मिलने का मौका ज्यादा है. उन्होंने बल्ले से भी लगातार 4 छक्के लगाए थे.

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारत का स्क्वाड

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, आकिब नबी.

किन 3 स्पिनर्स को मिलेगा टीम में मौका

भारत के हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल की पहली च्वाइंस रविंद्र जडेजा साबित हो सकते हैं. जडेजा टीम के अनुभवी गेंदबाज हैं और बॉलिंग का ऑप्शन टीम इंडिया को देते हैं. इसके साथ ही दूसरा स्पिन, जिन्हें प्लेइंग-11 में मौका मिल सकता है, वो कुलदीप यादव साबित हो सकते हैं. कुलदीप टीम में एकमात्र प्रोपर स्पिनर हैं, उनके पास रेड बॉल क्रिकेट का अनुभव भी है. ऐसे में उनको प्लेइंग-11 में मौका दिया जा सकता है. टीम इंडिया की प्लेइंग-11 में तीसरे स्पिनर के तौर पर मानव सुथार और सारांश जैन के बीच जंग होगी. इन दोनों में से किसी एक को मौका मिलेगा. इन दोनों का चयन इस बात पर भी निर्भर करेगा कि, श्रीलंका की टीम में कितने बाएं हाथ के बल्लेबाज खेलने वाले हैं. अगर टीम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाज हुए तो सारांश जैन का मौका बन सकता है. वो टीम में बतौर ऑफ स्पिनर खेल सकते हैं. वहीं अगर श्रीलंका की प्लेइंग-11 में एक या दो बाएं हाथ के बल्लेबाज होते हैं तो, मानव सुथार को खिलाया जा सकता है. मानव सुथार भारत के लिए पहले एक मैच खेल चुके हैं. ऐसे में उनके चांस प्लेइंग-11 में शामिल होने के ज्यादा हैं.

भोपाल में राजा भोज नेशनल सेलिंग चैंपियनशिप का आगाज

12 राज्यों के करीब 100 सेलर्स दिखा रहे अपना दम

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल का प्रसिद्ध बड़ा तालाब (अपर लेक) अब केवल पर्यटन स्थल तक सीमित न रहकर देश के बेहतरीन वाटर स्पोर्ट्स खिलाड़ियों की प्रयोगशाला बन चुका है। बोट क्लब पर 11 से 16 अगस्त तक आयोजित होने वाली 'राजा भोज मल्टीक्लास नेशनल सेलिंग चैंपियनशिप (रैंकिंग) 2026' का शुभारंभ मंगलवार को सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने किया।

12 राज्यों के करीब 100 सेलर्स दिखा रहे अपना दम

इस 6 दिवसीय राष्ट्रीय रैंकिंग स्पर्धा में देश के 12 अलग-अलग राज्यों से लगभग 100 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के सेलर्स हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों की राष्ट्रीय रैंकिंग निर्धारित होगी, जो भविष्य में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन का आधार बनेगी। स्पर्धा को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संचालित करने के लिए याचिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (अक) के 12 ज्यूरी मेंबर्स और भारतीय खेल प्राधिकरण (रअक) के वरिष्ठ अधिकारी भोपाल में मौजूद हैं। मध्य प्रदेश याटिंग एसोसिएशन इसके आयोजन में समन्वयक की भूमिका निभा रहा है।

वाटर स्पोर्ट्स में मध्य प्रदेश का दबदबा

खेल मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि वर्ष 2007 में स्थापित 'मध्य प्रदेश राज्य जल क्रीड़ा अकादमी' में सेलिंग, रोइंग, कयाकिंग, केनोइंग और स्लालम की अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। अकादमी के एथलीटों ने अब तक 37 अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर 28 अंतरराष्ट्रीय और 69 राष्ट्रीय पदक अपने नाम किए हैं। पिछले साल आयोजित राजा भोज चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश की टीम ने 8 गोल्ड, 5 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज सहित कुल 16 मेडल जीते थे। खिलाड़ियों के कौशल और तकनीक में सुधार के लिए विदेशी विशेषज्ञों एवं प्रशिक्षकों की सेवाएं ली जा रही हैं। भोपाल को खेल हब के रूप में विकसित करने की दिशा में 1000 करोड़ रुपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर का निर्माण किया जा रहा है, जिसके पहले चरण का उद्घाटन शीघ्र होगा। आगामी नवंबर में इसी परिसर में अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी एशियन चैंपियनशिप का आयोजन होगा। इसके अलावा भोपाल जल्द ही अंतरराष्ट्रीय एशियन रोइंग चैंपियनशिप की मेजबानी भी करेगा।

दिल्ली कैपिटल्स का स्टार भारतीय ओपनर गिरफ्तार

महिला को शादी का झांसा देकर रेप के आरोप

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलने वाले बंगाल के युवा क्रिकेटर अभिषेक पोरेल कानूनी पचड़े में फंस गए हैं। विवाह का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने और प्रताड़ित करने के संगीन आरोपों के बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। यह कार्रवाई दम दम थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इमामी सिटी से की गई है।

छात्रा की शिकायत पर दर्ज हुआ मामला

हुगली ग्रामीण पुलिस अधीक्षक कुंवर भूषण सिंह द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस साल जून के महीने में एक छात्रा ने क्रिकेटर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता का आरोप है कि अभिषेक पोरेल ने शादी का झूठा वादा करके उनके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके साथ ही, विवाद होने पर उनके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकियां भी दी गईं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पुलिस को क्रिकेटर को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। हालांकि, अभिषेक पोरेल ने अपने ऊपर लगे इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। पीड़िता के अनुसार, वे दोनों पिछले तीन सालों से एक-दूसरे के साथ रिश्ते में थे।

कारोबार

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से शेयर बाजार और रुपया दबाव में, सेंसेक्स 211 अंक तक टूटा

नई दिल्ली। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच निवेशकों की धारणा प्रभावित होने से सेंसेक्स और निफ्टी बुधवार को शुरूआती कारोबार में गिरावट के साथ खुले।

बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 35.99 अंक टूटकर 78,097.31 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 31.15 अंक फिसलकर 24,444.55 अंक पर रहा।

बाद में सेंसेक्स 211.37 अंक टूटकर 77,953.66 अंक पर और निफ्टी 65.10 अंक की गिरावट के साथ 24,411.15 अंक पर कारोबार करने लगा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन और बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे अधिक गिरावट में रहे। वहीं, भारतीय स्टेट बैंक, टेक महिंद्रा,

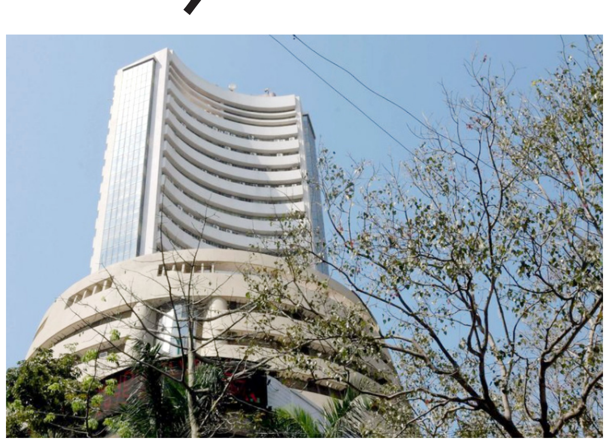

एक्सिस बैंक और एशियन पेंट्स के शेयर बढ़त में रहे।

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 4.59 प्रतिशत चढ़ा। जापान का निक्की-225 और चीन का एसएसई कम्पोजिट भी बढ़त में कारोबार कर रहे हैं जबकि हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट में रहा। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे।

अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 1.24 प्रतिशत चढ़कर 89.80 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को शुद्ध रूप से 258.55 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सेंसेक्स मंगलवार को 388.19 अंक और निफ्टी 112.10 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ था।

रुपया शुरूआती कारोबार में छह पैसे टूटकर 95 .42 प्रति डॉलर पर

रुपया बुधवार को शुरूआती कारोबार में छह पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.42 पर आ गया। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत करीब 90 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने और अमेरिका-ईरान के बीच जल्द समझौते तथा होर्मुज जलडमरूमध्य के फिर से खुलने की उम्मीद कमजोर पड़ने से रुपये पर दबाव रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तेजी की मुख्य वजह होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी अनिश्चितता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.40 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह फिसलकर 95.42 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे की गिरावट दशार्ता है। रुपया मंगलवार को छह पैसे टूटकर 95.36 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.87 पर रहा।

2,700 करोड़ से पटरी पर उतरेंगी 27 नई वंदे भारत

स्वदेशी सुपर ट्रेन पर भी तेजी से चल रहा काम

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे हाईस्पीड और आधुनिक रेल नेटवर्क को विस्तार देने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। मौजूदा वंदे भारत सेवाओं के साथ अब नए ट्रेन सेट तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें चेयरकार और स्लीपर दोनों तरह की सुविधाएं होंगी। देश की तीन प्रमुख कोच फैक्ट्रियों में इनका उत्पादन चल रहा है।

भारतीय रेलवे देश में सफर का तरीका पूरी तरह बदलने की तैयारी में है। यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं और तेज रफ्तार देने के लिए चालू वित्त वर्ष में 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से करीब 27 नई सेमी-हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेनें तैयार की जा रही हैं। देश की तीनों प्रमुख कोच फैक्ट्रियों में इन ट्रेनों का निर्माण युद्ध स्तर पर चल रहा है। फिलहाल देश भर में चेयरकार और स्लीपर मिलाकर 100 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें दौड़ रही हैं, पर यह वित्त वर्ष वंदे भारत के उत्पादन के लिहाज से सबसे बड़ा साबित होने जा रहा है।

स्लीपर और चेयरकार का मिला-जुला रूप

सूत्रों के मुताबिक, इस वित्त वर्ष में 27 ट्रेन सेट का निर्माण पूरा होगा, जिसकी संख्या मांग के आधार पर बढ़ सकती है। चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, रायबरेली की मॉडर्न कोच फैक्ट्री और कपूरथला की रेल कोच फैक्ट्री में इनका निर्माण जारी है।

स्वदेशी बुलेट ट्रेन भी जल्द

वंदे भारत के बाद रेलवे अब आगे की सोच रहा है। आईसीएफ चेन्नई और बीईएमएल मिलकर 280 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली पूरी तरह स्वदेशी हाई-स्पीड ट्रेन का निर्माण कर रहे हैं। शुरूआती योजना के अनुसार, इस स्वदेशी हाई-स्पीड ट्रेन को देश में बन रहे बुलेट ट्रेन (हाइपर-स्पीड) ट्रैक पर चलाया जा सकता है, जिससे भारत रेल निर्माण क्षेत्र में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनेगा।

टाटा समूह में मामूली नौकरी से शुरूआत

फिर सीईओ से चेयरमैन की कुर्सी तक पहुंचे; रहे रतन टाटा के सबसे भरोसेमंद

नई दिल्ली। भारतीय कॉरपोरेट जगत से आज एक बहुत बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। 400 अरब डॉलर के टाटा साम्राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने अपने पद से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया है।

टाटा समूह में अपने 40 साल के लंबे और शानदार करियर के बाद, उन्होंने फैसला किया है कि वह अपने मौजूदा कार्यकाल के बाद इस पद पर नहीं रहेंगे। एक ट्रेनी से लेकर टाटा के सर्वोच्च पद तक पहुंचने वाले 'चंद्रा' की कहानी काफी प्रेरणादायक है। एन चंद्रशेखरन ने अपना बयान जारी किया जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा

क्यों दिया।

क्या कहा एन. चंद्रा ने?

अपने बयान जारी कर एन. चंद्रशेखरन ने बोर्ड के भीतर चल रही असहमति को अपनी विदाई का कारण बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि टाटा समूह में उनका 40 साल का पेशेवर जीवन पूरा हो गया है और इस महान संस्थान में योगदान देना उनके लिए एक सम्मान की बात रही है। टाटा संस के चेयरमैन के रूप में उनका मौजूदा कार्यकाल 20 फरवरी 2027 को समाप्त हो रहा है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से उनके अगले 5 साल के कार्यकाल के विस्तार की सिफारिश की थी, जिसे टाटा संस की नॉमिनेशन और रेम्यूनरेशन कमेटी और बोर्ड ने भी रिकॉर्ड किया था। यह प्रस्ताव 24 फरवरी 2026 को टाटा संस के बोर्ड में पेश किया गया था। हालांकि, बोर्ड के एक सदस्य ने इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया, और सर्वसम्मति न होने के कारण चंद्रा ने खुद इस फैसले को टालने का विकल्प चुना।

एन. चंद्रशेखरन ने साफ कहा किया कि उस बोर्ड मीटिंग को 6 महीने बीत चुके हैं, लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं निकल पाया है। चंद्रा का मानना है कि टाटा संस एक बहुत बड़ा संस्थान है, जहां कई महत्वपूर्ण रणनीतिक प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं, इसलिए कर्मचारियों, निवेशकों और भागीदारों के लिए लीडरशिप को लेकर स्पष्टता होना बहुत जरूरी है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए, उन्होंने आज टाटा संस के बोर्ड को सूचित कर दिया है कि वह 20 फरवरी 2027 को अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद पुनर्नियुक्ति के लिए खुद को पेश नहीं करेंगे। उन्होंने बोर्ड से कहा है कि वह जल्द ही उनके उत्तराधिकारी का फैसला कर ले ताकि कामकाज का ट्रांसफर सही तरीके से हो सके।

एसआईपी पर निवेशकों का भरोसा कायम

नई दिल्ली। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश पर निवेशकों का भरोसा कायम है और जुलाई में इनफ्लो बढ़कर 31,961 करोड़ रुपए हो गया है. जून में यह 31,781 करोड़ रुपए पर था. यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की ओर से मंगलवार को दी गई. यह लगातार चौथा महीना है, जब एसआईपी इनफ्लो 30,000 करोड़ रुपए से अधिक रहा है. यह मई में 30,954 करोड़ रुपए, अप्रैल में 31,115 करोड़ रुपए और मार्च में 32,087 करोड़ रुपए था, जो कि अब तक का ऑल-टाइम हाई है. जुलाई में सभी फंड्स में फोलियो की संख्या बढ़कर 28 .08 करोड़ हो गई है, जो कि 27 .85 करोड़ थी.

कहानियां बनीं लर्निंग का मजेदार टूल

एक सजे-धजे हॉल में टीनएजर्स का एक समूह बैठा हुआ है। वे सभी किसी बात पर न सिर्फ हंस रहे हैं, बल्कि इंस्ट्रक्टर से लगातार इंटरैक्शन भी कर रहे हैं। मगर यह किसी टीचर की क्लास नहीं है। असल में ब्रिटेन की स्टोरीटेलर एमिली हेनेसी किसी पेड़ के नीचे या हॉल में बड़े ही मजेदार तरीके से एक भारतीय लोक कथा सुनाती हैं। दुनिया के ज्यादातर देशों में स्टोरीटेलिंग या कथा-कथन किसी-न-किसी रूप में आज भी मौजूद है। हम सभी को बचपन में दादी, नानी कहानियों के जरिए शिक्षा देती रही हैं।

लोक कथाओं या पौराणिक कहानियों से न सिर्फ मन-मस्तिष्क तनाव-मुक्त होता है, बल्कि रोचक अंदाज में सुनाई जाने वाली कहानियों से पढ़ाई की कठिन बातें समझने में भी आसानी होती है। इस बात को नए दौर के शिक्षाविद भी मान रहे हैं। कठिन सवालों के जवाब पपेटियर और स्टोरीटेलर पूरन भट्ट कहते हैं, आपके सामने मैथ्स के कठिन सवाल हों या विज्ञान के थ्योरम्स, इन्हें पपेट (कठपुतली) के जरिए आसानी से समझा जा सकता है। रंगबिरंगे, अलग-अलग आकृति के पपेट मस्तिष्क पर विशेष प्रभाव डालते हैं। अगर इनके मुंह से स्टडी मटेरियल से जुड़ी बातें कहलवाई जाएं, तो ये लंबे समय तक याद रह सकती हैं। कॉलेज स्टूडेंट रोहन ने पिछले दिनों वीकएंड पर पपेट स्टोरीटेलिंग में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने पपेट के जरिए ही कई नई बातें सीखीं। वे कई ऐसे जरूरी काम करना भी सीख गए, जो पहले नहीं कर पाते थे। स्टोरीटेलर पूरन भट्ट बताते हैं कि कहानियां कई तरह की हो सकती हैं। वे पुरानी भी हो सकती हैं और नई भी। स्थान और विषय के हिसाब से पपेट द्वारा कहानियां कही जा सकती हैं।

रिफ्रेश होता है दिमाग

तारों से लटकते हुए तरह-तरह के मास्क... पर्दे के पीछे से बारी-बारी से आती डरावनी और मधुर आवाजें...। इन सब के बीच योरपीय फोक टेल्स सुनाते ब्रिटेन के टिम राल्फ। टिम मॉडर्न आर्ट फॉर्म के जरिए स्टोरीटेलिंग करते हैं। इसके लिए उन्हें स्टोरीटेलिंग एक्सीलेंस का ब्रिटिश अवॉर्ड भी मिल चुका है। उनकी कहानियां सुनने ऐसे किशोर व युवा भी आते हैं, जो अपने ऊपर पढ़ाई का दबाव महसूस करते हैं। टिम कहानियां कहने के लिए संगीत की भरपूर मदद लेते हैं। उनके चेहरे के हाव-भाव देखकर सामने वाला हंसे बिना नहीं रह पाता। वे कहते हैं, इन दिनों किशोरों पर पढ़ाई का दबाव कुछ अधिक है। ऐसी स्थिति में कुछ पल हंसी उन्हें तनाव मुक्त कर देती है। स्टोरीटेलिंग के माध्यम से हम कई नई चीजें भी सीख सकते हैं।

आज के फॉर्मेट में

शकुंतला नॉवेल के लेखक उत्कर्ष पटेल ऑनलाइन टॉकिंग मिथ्स प्रोजेक्ट के संस्थापक भी हैं। इसमें स्टोरीटेलिंग के माध्यम से भारतीय उपमहाद्वीप की पौराणिक कहानियों को आर्काइव किया जाता है। इसे सबसे ज्यादा हिट टीन्स से ही मिलते हैं। उत्कर्ष बताते हैं, यदि घिसे-पिटे ढर्रे के बजाए पौराणिक कथाओं को आज के संदर्भ में पेश किया जाए, तो यह न सिर्फ मनोरंजक, बल्कि शिक्षाप्रद भी होगा। हां, इसकी रोचकता बरकरार रहनी चाहिए।

एकाग्रता बढ़ाने में मदद

उषा वेंकटरमन पिछले 18 वर्षों से नाटक और संगीत की मदद से लोगों को भारत और विदेशों की लोक कथाएं व पौराणिक कहानियां सुना रही हैं। वे कहती हैं, मैं गाने गाकर या पपेट के जरिए भारतीय लोक कथाएं और पौराणिक कथाएं सुनाती हूं।
उषा कहानियों के बीच में पहेलियां और चुटकुले भी सुनाती हैं। इसके बाद वे श्रोताओं से सवाल करती हैं। वे कहती हैं, इंटरैक्शन से ही एकाग्रता विकसित होती है। एकाग्रता से आपके व्यक्तित्व में निखार आता है। दरअसल, स्टोरीटेलिंग की ताकत इतनी ज्यादा होती है कि आप कहानियों से जुड़े बिना नहीं रह सकते।

एनडीए-एनए परीक्षा के लिए प्लानिंग के साथ पढ़ाई भी जरूरी है

अगर आप रक्षा सेवाओं में जाकर देश की सेवा करना चाहते हैं और आपमें इसके लिए जरूरी साहस व जज्बा है, तो एनडीए परीक्षा आपका पहला पड़ाव होगी। इस परीक्षा के लिए प्रशिक्षण देने हेतु कई कोचिंग इंस्टीट्यूट तो हैं मगर इसमें सफल होने के लिए आपमें दृढ़ निश्चय और जुनून का होना भी जरूरी है। यदि आप यह परीक्षा देने जा रहे हैं और आपने अभी तक इसकी कोई खास तैयारी नहीं की है, तो सही प्लानिंग के साथ पढ़ाई करना बहुत जरूरी हो जाता है।

सिलेबस

इस परीक्षा में दो पेपर होते हैं - मैथमेटिक्स (120 प्रश्न, 300 अंक) और जनरल एबिलिटी (150 प्रश्न, 600 अंक)। प्रत्येक पेपर ढाई-ढाई घंटे का होता है। हर गलत उत्तर पर 1/3 अंक काटा जाता है। गणित के पेपर में इन विषयों से प्रश्न पूछे जाएंगे- अल्जेब्रा, मेट्राइसेज एंड डिटरमिनेंट्स, ट्रिगॉनोमेट्री, एनालिटिकल ज्योमेट्री ऑफ टू एंड थ्री डायमेंशंस, डिफ्रेंशियल कैल्कुलस, इंटीग्रल कैल्कुलस एंड डिफ्रेंशियल इक्वेशंस, वेक्टर अल्जेब्रा, स्टैटिस्टिक्स एंड प्रॉबैबिलिटी। दूसरे पेपर (जनरल एबिलिटी टेस्ट) में पहला हिस्सा इंग्लिश लैंग्वेज का और दूसरा जनरल नॉलेज का होगा। जनरल नॉलेज के तहत इन विषयों से प्रश्न पूछे जाएंगे- फिजिक्स, केमिस्ट्री, जनरल साइंस, हिस्ट्री, फीडम मूवमेंट, ज्योग्राफी, करंट इवेंट्स।

लास्ट मिनिट टिप्स

जब परीक्षा बिल्कुल सिर पर हो, तो अक्सर विद्यार्थी घबराहट में कुछ-न-कुछ गड़बड़ कर बैठते हैं। इससे बचने के लिए इन बातों का ध्यान रखें-

- अनावश्यक तनाव आपका सबसे बड़ा दुश्मन साबित हो सकता है। इसलिए अपने आप पर भरोसा करें और शांत बने रहें।
- आपका दिमाग अच्छी तरह काम करे, इसके लिए पर्याप्त आराम लेना जरूरी है। परीक्षा से पहले की रात अच्छे से सोएं।
- लास्ट मिनिट रिविजन में फॉर्मूलों और शॉर्ट ट्रिक्स पर एक बार फिर नजर डाल लें।
- परीक्षा वाले दिन हल्का और पौष्टिक भोजन लें।
- पेपर सॉल्व करने में टाइम मैनेजमेंट का ध्यान जरूर रखें। जिस प्रश्न का उत्तर तुरंत नहीं सूझ रहा, उस पर समय बर्बाद न करें। आगे बढ़ जाएं। बाद में समय होने पर उस प्रश्न पर लौटें।
- अंत में यदि समय बचे, तो सारे उत्तरों को रिवाइज कर लें।

स्कूली पढ़ाई से अलग कैसे

ऐसी सलाह दी जाती है कि एनडीए एग्जाम की तैयारी 11वीं से ही शुरू कर देनी चाहिए। दरअसल एनडीए एग्जाम का सिलेबस स्कूल करिकुलम जैसा ही है, इसलिए यदि आपने स्कूल में बेसिक कॉन्सेप्ट समझ लिए हैं, तो इस परीक्षा में आपको कोई विशेष दिक्कत नहीं आनी चाहिए। मगर केवल स्कूल की पढ़ाई करने से एनडीए प्रवेश परीक्षा में सफल होने की गारंटी नहीं मिल जाती। कारण यह कि स्कूल आपको इस परीक्षा के लिए तैयार नहीं करते। इसके लिए अलग से कोचिंग लेना ठीक रहता है। किसी मेंटर से मार्गदर्शन लेने और टेस्ट सिरीज सॉल्व करने से आपको फायदा होता है।

ताकत-कमजोरी का आकलन

मॉक टेस्ट पेपर और सैंपल पेपर सॉल्व करने से आप अपनी ताकत और कमजोरियों का आकलन कर सकते हैं। अपनी कमजोरियां पहचानने पर उन्हें जल्द-से-जल्द दूर करने का प्रयास करें। स्पीड भी, एक्यूरेसी भी इस परीक्षा में लाखों होनहार युवा शामिल होते हैं। ऐसे में सफल होने के लिए स्पीड भी जरूरी है और एक्यूरेसी भी। मैथमेटिक्स के हर कैल्कुलेशन के लिए पेन-पेपर का इस्तेमाल करने से बचें। ऐसी ट्रिक्स अपनाएं, जिनसे आप मन में ही कैल्कुलेशन कर सकें। इससे आपकी स्पीड बढ़ेगी। मगर ध्यान रहे, स्पीड के चक्कर में एक्यूरेसी से समझौता न करें क्योंकि इस परीक्षा में निगेटिव मार्किंग भी होती है।

अनुशासन जरूरी

यूं तो किसी भी परीक्षा की तैयारी के लिए अनुशासन बहुत जरूरी होता है मगर यहां तो आप ऐसे करियर की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें जीवन भर अनुशासन का पालन करना बेहद जरूरी होगा। इसलिए अभी से ही इसकी आदत डाल लें और पूरे अनुशासन के साथ पढ़ाई करें। यह आगे भी आपके काम आएगा।

अपने कार्यस्थल पर अपनी आइडेंटिटी तलाशें

आप हाल ही में कॉलेज से निकले हैं या आपने किसी कंपनी में एक नई पोजिशन पर ज्वॉइन किया है तो आपको इस बात में थोड़ा समय लग सकता है कि आखिरी आपकी मंजिल क्या है और आप क्या कर रहे हैं। इसलिए आपको अपनी करियर आइडेंटिटी पर काम करना जरूरी है। करियर आइडेंटिटी से मतलब दूसरे से अलग करने वाला आपका काम और आप। एक बार आपको यह बात समझ आ गई कि आप अपने ऑफिस में क्यों है, अपने सहकर्मियों को क्या योगदान दे रहे हैं तो यह सब अलग लगने लगेगा। अपने कार्यस्थल पर अपनी आइडेंटिटी तलाशने के लिए आपको ये काम करना होगा।

अलग-अलग चीजें करें

असफल होने का डर हमारे आसपास मंडराता रहता है। लेकिन आपको यह समझना होगा कि कोशिश करने के बाद भी विफल होना गलत नहीं है। अगर आप नहीं समझ पा रहे हैं कि आपकी करियर आइडेंटिटी क्या है तो आपको अलग-अलग चीजें करने से डरना नहीं चाहिए। जिसने तरह के काम आप करेंगे आप अपने काम को लेकर पैशनेट होएंगे।

शंका है तो जरूर अप्लाई करें

अगर आप अपने करियर के साथ वाकई कुछ खास करना चाहते हैं तो आपको कुछ इंटरेस्टिंग रिस्क लेनी होती है। अगर आपको यह लगता है कि किसी कंपनी में आपको जॉब नहीं मिलेगी तो वहां जरूर अप्लाई करे। अगर आपको करियर आइडेंटिटी डेवलप करनी है तो आपको विश्वास के साथ आगे बढ़ना होगा। अप्लाई करने से ज्यादा से ज्यादा क्या होगा, आपका रिज्यूमे रिजेक्ट होगा और आप अगली जॉब लिस्टिंग की तरफ देखेंगे।

आपकी इमोशनल अपील

करियर आइडेंटिटी डेवलप करना आसान है जब आपको पता हो कि आप लोगों को किस तरह से इमोशनल अपील कर पाते हैं। क्या आप सुपर रिलायबल है,क्या आप क्रिएटिव है। क्या आप ऐसे शख्स है जो क्राइसेस के दौरान मौजूद रहते हैं।

काम के बारे में सोचे

नौ से पांच की नौकरी में यह भूल जाना आसान है कि पहले स्थान पर क्यों थे जब पूरा समय आपका स्प्रेडशीट्स और मीटिंग्स में गुजर जाए। लेकिन अगर आप काम का केंद्र अपने एक्शंस पर रखें तो आप अपनी करियर आइडेंटिटी को आसानी से बना सकते हैं।

वीसा इंटरव्यू में जाने से पहले समझ लें रूल्स

आज कई स्टूडेंट्स, प्रोफेशनल्स यूएस में पढ़ते या काम करते हैं। ऐसे में जब वीसा लेने की बारी आती है तो उसे लेकर काफी असमंजस रहता है। वीसा इंटरव्यू के दौरान छोटी-छोटी गलतियां आपके लिए मुसीबत बन जाती है। बेहतर है कि इंटरव्यू में जाने से पहले आप उसके रूल्स समझ लें। यह जान लें कि आखिर इंटरव्यू के दौरान कौन सी चीजें ले जाने की अनुमति नहीं है, इससे आप किसी भी तरह की असुविधा से बच सकते हैं।

अमेरिकी दूतावास व कॉन्सुलेट्स चाहते हैं कि आपका वीसा इंटरव्यू सुरक्षित व सुगम हो। वीसा आवेदक और यूएस मिशन इंडिया के परिसरों में आने वाले सभी लोगों को सुरक्षा नियमों का पालन करना होता है। निषिद्ध वस्तुओं की सूची इस प्रकार है -

- बैटरी ऑपरेटेड या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, जैसे मोबाइल फोन, कार की रिमोट चाबी, डिजिटल डायरी, पेजर, कैमरा, ऑडियो-वीडियो कैसेट, कॉम्पेक्ट डिस्क, एमपी3, फ्लॉपी डिस्क, फ्लैश ड्राइव, मेमोरी स्टिक, ब्लू टूथ डिवाइस, लैपटॉप या टैबलेट कम्प्यूटर तथा पोर्टेबल म्यूजिक प्लेयर।
- बड़े शोल्डर बैग/पर्स, ट्रैवल बैग, बैकपैक, ब्रीफकेस या सूटकेस। केवल ऐसे बैग लाने की अनुमति होगी, जो हाथ में उठाए जा सकें, जैसे खुले प्लास्टिक बैग, जिनमें आवेदन से संबंधित कागजात हों या फिर कपड़े की छोटी थैलियां व जिप फोल्डर।
- कोई भी खाद्य या पेय सामग्री।
- कॉस्मेटिक्स (इनमें सप्रे परफ्यूम/ कोलोन तथा टैलकम/ बेबी पावडर शामिल है)।
- सीलबंद लिफाफे या पैकेज।
- ज्वलनशील पदार्थ, जैसे सिगरेट, सिगार, माचिस, लाइटर।
- चाकू-छुरी व अन्य धारदार वस्तुएं, जैसे कैंची व नेल फाइल।
- हथियार या ऐसी कोई भी वस्तु जिसका हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।
- लंबे हैंडल वाले छाते (जो बंद होने पर 40 सेंटीमीटर से अधिक लंबे हों)।

हालांकि यह सूची संपूर्ण नहीं है। इनके अलावा भी किसी वस्तु पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। कुल मिलाकर, आप अपने साथ जितना कम सामान लेकर आएं, उतना बेहतर होगा।

वर्कप्लेस पर प्रोडक्टिव रहने के आसान तरीके

हम सभी कम समय में ज्यादा काम पूरा करने की इच्छा रखते हैं लेकिन लंबे समय में इसे कैसे आदत बनाएं और किस तरह बरकार रख सकते हैं। वर्कप्लेस पर प्रोडक्टिव रहने के तीन सामान्य और आसान तरीके अपना सकते हैं।

- व्यक्तिगत जीवन में काम करने के तरीकों में बदलाव लाकर आप ऑफिस में ज्यादा प्रोडक्टिव हो सकते हैं। इसका सबसे अच्छा तरीका है, एक समय पर एक काम पर ध्यान देना और यह आपके काम, व्यक्तिगत जीवन, सामाजिक व सामुदायिक जीवन और स्वास्थ्य को सकारात्मक तरीके से प्रभावित करेगा। इस बात को उदाहरण से इस तरह समझा जा सकता है कि अगर आप अपने वर्क डेस्क पर ही सैंडविच खा रहे हैं तो यह सबसे पहले बंद कीजिए। बजाए इसके आप अपने पसंद के सहकर्मी के साथ हेल्दी लंच करें। यह आपका स्वास्थ्य, आपकी प्रोफेशनल लाइव और कम्यूनिटी रिलेशन को इम्प्रूव करेगा। आप भले ही लंच लेने को कोई प्रोडक्टिव एक्टिविटी न मानते हो लेकिन इससे आप मल्टीपल गोल्स पूरा करते हैं।
- प्रोडक्टिव होने का एक और तरीका है अपनी एनर्जी और टाइम को मैनेज करना। ऐसे कामों की सूची बनाइए जिसे पूरा करना है लेकिन जिसमें कम मेंटल एनर्जी की जरूरत हो। अगर आप शाम को बेहतर काम कर पाते हैं तो आप सुबह काम की धीमी शुरुआत करें और चैलेंजिंग टास्क को दिन के दूसरे पहर में पूरा करें।
- अगर आपको जरूरी काम दूसरे दिन करना हो तो बेहतर है कि एक रात पहले अपने कैलेंडर को एग्जामिन कर लें। आपके काम को बांट लें और काम को पूरा करने के लिए माइक्रो-गोल्स की लिस्ट तैयार कर लें।

प्रोडक्टिविटी का राज अपने कमिटमेंट को पूरा करना और समय के साथ अनुशासन बनाए रखना है। प्राडेक्टिविटी आपके लिए क्या है, अगर आप यह समझ गए तो अपने हाथ के काम को पूरा करने के लिए जरूरी एनर्जी आपको मिलेगी और कम समय में भी आप बेहतर रिजल्ट दे पाएंगे।

स्वामी, प्रकाशक : अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी 85 सेक्टर 8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच 41 ए, अबुल फजल एनक्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली 110025 से प्रकाशित। संपादक : अली आदिल खान
RNI No.: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।